

# ईयायायार्टी हैं न

नेवःश्वनः कुषा (Wylieལྷར་ན་don grub rgyalདང་། ឝྱལ་ श्चेतिः श्चाह्या शास्त्र dondrupgyel द्वा वितासी है। र्गेषा) १८५३ वेराषा अर्दे गड्या छ्या हिंदा न्या रेदा से प्रांते से द न्त्राः हैं सः नेवाः वें कुराः वेवाः वो न्द्राः वें सः सूत्र प्वाः वो खें या वेवाः सर्धेशके व मिर्विद्व इस्राया मार्थर मिर्टि ग्री क्षेर क्षेत्र स् र्ते वर्रेन्री सूर नह्रव ग्रेशिव में नसूव थेन सहन हे या विर र्हें श्रुवार्हें या श्रुवार्ट्न र्वा श्रुवार्ट्न र्वा श्रुवार्ट्न र्वा श्रुवार्ट्न र्वा श्रुवार्ट्न रवा श्रुवार्ट्य रवा श्रुव

शे केंदे में या पर्मेश न्ययार्नेन युनाक्त्याने १९६५ ३ विंन्स अर्के र्श्वा विंन्स केता सा र्बे निर्मेग्रास्ट क्रिट सिया गठव के हिट द्या सेट वे निर्मे निर्मे । नर'अन'नव'ने'ळें'रेट'न्ट'अय'श्चेट'सेन्'ग्वेंग'ग्रे'श्चरा'श्च' शुः धनः गर्डेट वदः नर्डे अः वन अः अः नुदः नर्यः के व्ययः वद्याः निदः । ही या शुरमायाय महा सर्के प्रमाया श्री मार्थे हो मार्थे प्राप्त के या है य श्चिरित्राप्तकंत्राचित्राचुरा विरित्रे कुर्त्र्राव्याप्तरित् र्रेण'रा'र्रा'श्र्र'द्रा'त्रेंद्रिंद्र'र्रा वहें स्र श्रु'शुर्र'रावे हे श शुः सळद् या स्टार्शेया विशामार्शेया विटार्से साधिमा मी स्टासळद् त्रमोत्। त्रभ्रम्वर्श्येश्वर्श्यश्यः वर्षः स्वार्थः स्वर्धः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः मंदे सळव या नेमया नेव श्वा मुया बेसा वर्षे न के वि वि व र्रित्योः हैं अर्भेगाग्यर्रे हैं अर्थे द्वाराणें व विरायन्य विरायन नक्ष्वं न् 'सर्कें व'स'धें व'र्वे। न्स्य'र्ने व'स्यान क्रियं न्त्र्व' व क्ष्यं व क्ष्यं व क्ष्यं व क्ष्यं व क्षयं व क् निरा कुरात्रावरार्ह्मेरावहेवासर्ग्रियारापरा रेगापान्य नःसेंद्रानः र्रेनिम्याम्बद्धान्य अस्ति म्यान्य र्रेनः ळव्यदर्भेव न्त्री विनागी यद्दे छैपा सर्भे यद्देव स्वन धेव से म

न्यो म्बर्गन्य श्रे शे के शह्या न्य वह ह्या शही प्रति श

नस्ग्राम्यास्त्रहेत् होत्राम्योत्। त्य्राम्यो नस्यास्यास्य नस्य निष्टे नरः सः व्रें तियः देगे विवः श्रें नः यारः व्यायः हे ः श्रें नः याहेरः ग्रुयः या न्ना वे नश्या श्री श्रुमः मे अर्हे ग्राया वया त्या स्वापित वरा हो ना स्वर्षित्याहे स्रून्या शे स्रून्या शे स्वर्ष स्वरं स्वर्ष स्वरं स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ध स्वरं स्वर्ष स्वरं स् र्नेन भून श्रुम श्रुमायम तिम्मा ग्रीम क्षन थ्रम श्रीम नम्मा भिन्न ब्रैमें न्राधिमानश्चराष्ठे ग्रायदे यस मंत्रसंसु न्रिस सु ल्यास मंसेन्। न्त्रान्यामञ्जान्याभाष्ट्रेमामस्यान्यास्यान्यास्यान्यान्यास्यान्यान्यास्यान्यान्यास्यान्यान्यास्यान्या र्नेन् अन् धेया श्रेष्वा वर्तेन धेया केन थया अन्ति र श्री त्री श्री न या हेन ग्वरा नेवश्यवराधेवाहेश न्ग्रान्थिकिरंग्रिक्षावशकेर नवि'नर्स्र्रेच्छे'यशातुर्श्वराष्ट्रम् श्रुर्क्षेताः श्रूर्खे पानिश्चरः न्दःहें अ श्रेणाः अहं न न्यादः वें के रें खें के राय के न्या के न मुवारासे हैत र्युप्प न ग्रुप्से से मार्था क्षेत्र के त्री में प्रभूत थेगान्धे।पगान्तर्यानेदर्यान्दर्येन्यन्त्रम्यान्यत्यान्त्रयः हैं अ'वेन'यह्या'यहें त'यार व्यारा हैं वेन'यह्या क्षेंन अंवे क्षेंन गहेर ग्वर विवादह्या में क्षेत्र गहेर अवर मित्र भिर्म श्री न्ग्रां के रामकु न्यू राज्या के पायी प्रमाग्रा प्रमाण के पाया र्श्वेन के व शे में न प्रेन के निया हु विन यह या न ह से न सिन या है या । र्श्वेषायाश्चायवेयाने मिन्यो मिन्यो स्थाययायया सिन्यानेया रन्यार्थे कुराप्तान्य रेप्या हैया देवा क्रिंप विद्यान्य

सुरासुर्धिन सुनमा सर्कें स्वेत विद केत सेन पाव्द मीय करा ळिये माल्ट र् पंद्रमारा परि में द धिमा के द खरा दमें भें ते हैं न मिर वर्गे वित्यत्वाकी अवित्या दिस्य पर्देश वहर श्री अ अर्थे कें वित्र श्री प्रवेश म्बर्गर्शे र्र्भेट्र ग्रुप्त ५ उटा दर्गे याया के कुया यदा यदा निर् मन्द्रा हिन्दे साध्यया अर्के क्षेत्र या देदका त्र अन्तो स्त्र या के श्चेन्त्र विन्याळन्नम्य की विन्या कर्षेन् कुन्ते के भाष्या वेगा ग्रेन केंगा रे अवता नक्ष्या निष्टा न केंत्र ग्रेन ग्रेन में र्शेन् हे अर्के र्शेन कर्न करे मेल्ट नु पेन परि में ने पेन केन पर्य न्गो मन् क्षेत्र म्येत्र वर्ष न्यं रेशेर में देश वर्ष के से स्वर वें दें मंडिया यी देर व्यंत्र या विव द्यो मन् इसे राष्ट्र स्थाने या ग्रायर हैं या प्रायेश क्रिया वितायह्या क्रिया के वा विता क्रिया ग्री वन्य व्यवस्थित वित्र वित् सक्सराश्वा नेंद्राधिमा केदायरा द्यो वितः ह्येत स्वादे द्यो स्वतः ग्रम्यान्यू यो व र हो द सु वे र यद त्या न स्था प्रकर से स यु व र य वुरावरावहेद्रा ध्रार्वेवे कार्रावर्थायं के के के कार्यावर्था येव'गवर श्रिट'नवे'वर्गे विद्यारे 'द्या न्यान्य असः स्वाप्त विद्या नदे-देनद्रम् अर्पिद्रकाष्ट्रभाष्ट्रम् अस्त्रम् अस्त्रम् अस्त्रम् अस्त्रम् अस्त्रम् या ने यश र्द्धेना मंदे क्षु कुष निम् हो निम् रायाय रेन् उत् ग्रीमात्रभाशुप्तिम्पत्रभा विष्टामी सेस्रभाशुप्रभाग्वसार्श्वमः वर्तेन् ग्रे क्रें अभ्यान्द्र्य अद्धर्या व्यान्त्र्र केंद्र्य र्श्वेन में केत्र से अपन्य केत् हो द्वेन के किता किता

रत्नेश्वार्यं निर्देत्या स्वार्यं व्याप्ते स्वार्यं स्वरं स्वार्यं स्वरं स्वार्यं स्वरं स्वार्यं स्वार्यं स्वार्यं स्वार्यं स्वार्यं स्वार्यं स्वार्यं स्वार्यं स्वार्यं स्वर

यप्रश्चात्र्राच्या

र्शेश श्रुव द्या < यद रेंदि स्वा खु > द्र श्रुद या त्य < यर्ते या श्रूया वर>। श्रुपाः हैं सरमर त्यसः श्रुर्धे > नहसादीः विः रनमान मुन्दः सु मंदे में न्या में मायी के तमम अपने में में मायी के निर्मा अपने में में में मायी के निर्मा अपने में में में मायी र्वेद देवां या ग्री यावया या दर हैं या या में ग्राव ग्रीया वादेद वहें वा ळेव र्से गुरा पेंद्र भारत्या विद्या व रेगान्द्ररेगाग्व्द्रमी विषेया कुराष्ट्र राष्ट्र राष्ट्रेव से नव्या थेंद्रम्या वेद्रशीर्द्रस्ययाईस्यादेगांगे स्ट्रम्यावे वद्रिर्याप्त धेव विश्व महिंद केंगा केंगा धेवा देद म्या भेंद ग्री हैं साम में न्द्रस्मित्रायिक्षः परिः विन्त्रान्त्रायः नित्राच्यानः क्रियः भूत्रायः भूत्रायः भूत्रायः भूत्रायः भूत्रायः भूत नेशम्बर्धिवर्ष्ट्रमीत्विद्य मेंद्रधेषापीश्रास्त्रीत्रे मदे में न श्री में मान रामित के में में नित्त न महित कर मित का भ्रमा मं यय केर सेर रेश रेंद ग्री सामका या ग्री वा श्री यःश्चेनअभ्यःस्यः तृ कुष्यःस्यः अन् हें स्यायंदे हें । त्यः स्याये श्रेव मश्रा विष्युषान उसामी शास्त्र माना वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वरव्या वर्षा उँ अ श्रे अ श्रुव दर्गा दर्शे। श्रुव रहं गुर ५ एउट अर्थ श्रे वें द एयय धेंद्रशायाद्रमान्न के निर्देशसर्के के निर्देश के निर्वेश के निर्देश के निर्दे र्विट यो अ विया चुट र र न इस्र अ र प विया धिवा वि के र न कु र रेवि यक्षय्यात्रयात्रयाः देवः युवः कुषायः वेदः ग्रेः देदः स्वयः हें यः रेगानो रे र र र ज्याना र र ज्ञार र र विष्ठ वार्या १८५१ वे र विर यो र स्वाद्याद्याद्यास्य स्वाद्यायात्र स्वाद्यायात्र स्वाद्यायात्र स्वाद्यायात्र स्वाद्यायात्र स्वाद्यायात्र स्वाद्य

रेट्रा अवेश राने सर्वे र्श्वे व से न्या या ना से सुव निर्मा के ना ना ना भ्रव ग्रुमा १९४१वर्षरः < < पारमः नगरः रे में है वेरा प्रदे न्या रैन क्षेट्र ५ (श्रुव प्रमामी श्रेमा न सुन त्व मी प्रमेर न हें ५) हे या यायर्ने वाश्वेया गुरु १ वर्षे रा (श्वराक्षर) हे ना पहिरा स्वेरा श्वेरा र्भूर मुर (मु वर्ष्य रामेर मंदे सदय राम) वेरा पर्देव शेवा गुर्भे। १९४ व्येन (श्रून:कन्) ने न गिरेश मिन थे। से न थे। क्षेत्रा क्रुव रेगा प्रदे क्षे प्रति । प्रस्य प्रति । क्षेत्र क्षेत्र । क्षेत्र विष् श्रींट सें र र्रे अध्वर अट्या मुयाद्द र प्रयाय स्वर प्रहे रेया ग्री केन्न् सुयान्भवेश्वापन्ति श्रेयानुशा वेन्निम्विन्नी र्रेन्द्रिय न्धन हैं स्थानिन के सम्बन्ध स्थान स् कें अभिगामित हिंदु इसामर हेतामित हो एक्या है अपापित हो। रेगारान्धे भ्रुव विद्योगार्गे राज्य भ्रुव न्या विद्यो भ्रुव द्या यी । वश्रास्त्र हुँ मुद्दानि न स्याया केँया ((वश्रिया से त से प्याय न न व कें अरेगाम्यर कें अछी छुर्गिये सूद रगामे छुर्गिय वें न

विंद्रमे नहस्र रहेश वें स्वस्त्र द्या नहार दे द्या या स्वाद्य द्या नहीं निंद्र स्था नहार स्वाद्य द्या प्रत्य द्या प्रत्य द्या के द्या प्रत्य द्या के द्या प्रत्य के द्या के द्या

अर्वेविःर्रे न्रम्कु अःर्रेवाशःग्रीशःनेवः त्वा उवःग्री (न्रायः नैवःग्रुवः मुयामी'गुरुट'वनुस्र निर्मेग्रारि। १९८ वर्षेर से पर्मार्य देशे श्रुव विद्योग्यम् श्रुव ग्रुवं या द्या दे त्या १८८८वें मः ग्रुट वेदिः न्ये ने न ग्री के या अर्थे न वे ग्राप्त में न प्राय में न ग्राय के या शें हैं अभिग्दरमेगाग्वर में गुन वर्ष अला नेंद्र शें अवश्राम क्रम्या श्रीया या स्वाया या स्वाया स्वया स्या स्वया स् त्रान्ग्रस्त्रीं नवर पद्मेव प्रशासकेंग्रामेश विरावे "रर रेग्रांश 'गोर्वेद'त्रेरे विंद्र'कें अ'रेग'क्कु'क्य'अविकारद्द्र'द्रिय'रेवे' विनायह्याः अपितः "धेतः पर्दे नश्यायाः या अपः हिंया परः । श्रूव र्या में र्रे ग्री रेया यावशा विया वहुया याश्रु अ रेष्ट्री क वशा विरा वी व्यव त्यंत्र वायो ने द्रायह वा व्यव विद्रा विद्र स्टर के के बुद थर गुनावन्य के निमागुम्य। त्ना गुमा से माया क्षेत्र में वि न्यो मन केन से में मन नियम में भी मा मन हैन न्या में नुयम मुयान्द्रयनेयायने या मुद्रास्थ्या हे या न्वा नुस्य निद्रा विद्रयो। देवा गल्दानेनायह्याद्दान्यस्य क्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रा गठवार्त्रे में शक्ता अळवायाया ग्रेया नमया ने ता मुना कुया दे " न्व्रस्थाउदायदे में १ "न्ना हैं या नेवाय न्ना न्यस हैं ना यूद न्यान्यन्यस्थित्यम् श्रुराया श्रुर्ययन्न्यस्य र्र्वेष्यादि ळ'दश'विंद'वी'श्रुद'दवा'वी'श्रुद'व्येद्रश'व्यंवीदेद'वेंदें सहरायान्या वित्वे श्रुवार्याया केवारी धोवा वेदा विदाया सर्दे न्त्रभाष्यभाषाश्रुभाग्नीं पार्वेद तु स्थर्भाग्नीभान्याद नशु केद

र्भे हो द्रायम्या स्ट्रिया में दे में या प्रते के द्रायम्य भ्राविष्य यो द धुरुष्ट्वर्गेरुर्प्यर्भेत्युन्युन्युन्युन्युन्ये स्वार्थ्यर्थे यान्धनायहें गाः ग्रेन भूनर्यायें 'इसर्या स्सर्या ग्रें 'बिन' द्रा मिन दे र्थे रनमन्त्र नु दु परे ने नि ग्रे हैं सप में सुष नु जूर न विया मेन ठेशनश्वारानहें न गुराणें न यशन्तर में अंशुं नरंद पश् न्ययः नेत्युनः कुयः वे 'से 'ध्यः कुः भ्रन् 'हेम्'में 'सर्वेद'सेनः कुनः डेटा अर्डे श्रूटमी अर्थरयन विवाद मिटमी से केंद्रे म्लूय यस न्दा ग्रम् हैं सन्दर्विन वहुग्ये नुरुष्धुन श्रद्भार्य स्पर विनायह्मा गुराया धेराया विनामी स्थाप्त साम्या विनामी स्थाप्त साम्या न इस्र अंकिंग नेपाप्त वर्षी गुराहे अंच रुषाय वर्षे प्रेस से के नःकः क्रुशः भेंद्रः सर्भः बद्या स्वयः केरः नेद्रात्मस्य भेंद्रसः ग्रेः भे यो नेशस्त्रापदायशर्मिट से नेशस्त्रे से पारे वी या ग्रीट से द से सामनित व र्क्षेया र्क्ष्या सेना

考。花枝:

祝为一样的月桂万女!

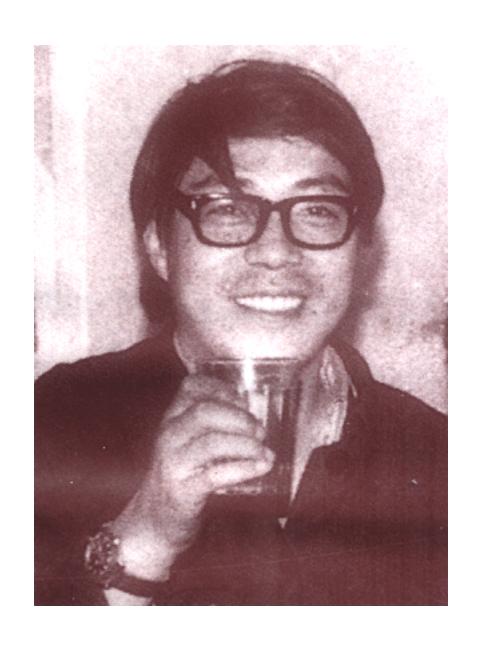
法约一份分考终。

为的民族智慧的教徒教司文学不平然不完了

—वाङ्कः भ्रेवा राजा

र.वे.लर.वर्.वर.व्यावाच्यात्वेर.व्यवेव.हिर.रर.विष्व.च्या.हेर.क.ल्बा क्ट्रिन्-ग्रीमारमान्यायदी-पर्नालेगान्यमान्यवी क्रिन्-प्रमान्यायदेव डेर्'गुर'होर्'र्स्रा ८दे'में हेर्'ग्वयायया हमा क्रेर्'प'देवा मेर्या होर्'ग्रेया गहत्रुप्तञ्चलालेराष्ट्रगायते स्राच्यापर्दर् रा दाने छिर्प्तरायह्यापर्द्र इ.पर्यु.कु.बर्। लुब.ब.लर्। रे.बु.र्ग्युर्ग्यालुबायार्री रे.रूर् ८स.र.२.१८.छेर.ज.५४.पत्रुच.धुव.त्रेच.५८.६्च.वु.छेर.कुय.रपु.जय.व्यवस. र्झरक्वित्माँ द्वियाधानो स्वराद्या स्वराह्य स्वराह्य द्वित्य विवाद्य द्वा पश्रमाविषा अव रेट पहर पत्र वि उरुषा की खेर रेषा शासदी इर पविव हिन इटबर्टर, ईबरिबरग्री.८८.२.वोबबरग्रीटरी पर्टपुर, र्रेबर्टर नर्वा. वोबरग्रीटर ¥्रवाण्याच्याःखेटायाःखेयाःखेयाःहो वि.ताःक्षरा¥्रवायाःयरापचिटायाःश्रेषातारा लयायदी रट में या कूरी देव होरा टयर रहेर ग्री के क्रिया में या 眞.다.꽃소.日.몆山.그림山.훂.미리 나.다.文. 된당, 퇴소.필.보었다고 보다.그림당. नर.रे.नस्व.कर.कुच पत्रुव.लच.पर्.नधिय.धे(चिचय.रे.नभूर.त.रच.ज) श्चर-र्मगयःल्।

यक्ष.रूव.यु.र्चव्य.यूच.युट.चटक.खेट.यु.रचव्य.श्रेट.लुच.र्झ.



नेन कुर पर्दे ने जिर्दे १८ क्रॅं म्यार क्रिं प्राप्त वाय प्रिय वाय क्रिं वा

त्यार्केन्गी मेन्यान्तान्ति विषयान्तान्ति विषयायान्ति विषयायाया विन्तान्ति विन्तानि विन्तान

न्यासक्दर्यासे विष्युपित्रा शिवरासे विष्युपित्रा स्थान सह्गाक्षेत्रात्राप्तर्प्ता दे निवित्रर्भित्र ग्री केर मेव मर के नदे क्रेंन मुळे द कें सह्या क्रेया नदे र कारे र किं प्रकार्य मिठिया गो'त्र न्यञ्चेषार्था सह्या गुर्या भवे ने न कुर वरे न जेंग्या राष्ट्रीया नवैर्नुश्राक्टेंन्यने नेन्शुन्त्रश निया मुन्नु ग्रीरेकें नवे नन र्रित्री अस्त्रित्र राष्ट्रीय रिकार् कार्या स्वर्थ से स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर गठ्यार्श्वेन्'प्रेन्यार्श्वेन्'न् वेग्यायाः शुःयाप्यार्थेयायाः म'त्रस्य राषा श्वाया हे 'द्रे सुरायश्व प्यत् प्रहेत हो द्रे हो दे रे स नः भेंद्राया अळअअरदिमार्ने प्रभागें प्रविष्ठं अर्मु द्विष्ठ तुराद्यापिटानवे ७००वहेग्यायायेटा कु सर्वेदे दे दे नेदे नेदा पेया ग्विरायशापर ३० मी यश्म्येदेवराप्रधुश्यश्यश्राधुश्याविषाः रांदे र्त्त्रेग्राय अर्केग् इस्याय श्रुग्या हे के लु कु प्येदा

# ॐित्रं संदे श्रीम् श्रासकेम्

नग्रेशःसुत्। [रोःकेटःधेमाःतसःक्ष्रिनःत्रोटः।]

धेःभेश्रान्ध्रम् प्रदेश वेराम वे ख्रा रेम के रेप के रेप विश्वा के स्वा विश्वा के स्व विश्वा के स्व विश्वा के स्व विश्वा के स्व विश्व के स्व के स्व विश्व के स्व विश्य के स्व विश्व के स्व विश्व के स्व विश्व के स्व विश्व के स्व के स

नग्रेशरनामह्ना [शेर्विनर्श्विनःश्वेनरा]

कें नेंद्र नग्रीश

(इट्डेयर्स्स्ट्रिय्सूट्रिट्र)

पहेग्रायाया

【ラニラス・ガー、アナダー・カー、

ग्राथर स्व

[ इव:हुर:इवो:देंश:श्रेंच:श्लेर]

#### कु वर इव सु

### र्नेन शुनः कुषा

न्दे भे भून मन्यो साध्याया क्रमायो । विस्मान स्वाधी कु स्रेमान्य सासे ने इव सुना । विस्मान भीने ने सु सेन स्वाधि सामा क्रमाय क्रमाय भी । वर्के न सुन स्वाधि मसान्याम सासके माने द्वा सुना ।

विष्यायायि के प्रवित्या विष्या विषया विषय

हैं हैं आया न्याविष्य हैं भी दुर्गा विवादा। यह दुर्गा यह किंश के स्राध्य प्रति यो अप की गार्विव द्या। प्रतुष्य हैं प्रति हैं हैं से या यह यह हैं। । की हुर्गा आयके की हो हैं हैं हैं हैं हैं हैं या यह यह हैं। ।

न्गरम्भयः त्रुर्ति । यस्ति ।

खे'स'न्ग्रुत्र'म्युस्य न्यूस्य स्थान्य स्थान्

न्धिन्यासुरास्त्रात्देव्यते हिंवार्येन्यायदे न्या। वित्रुवायस्य स्वर्धेवायते स्वर्धित्यायदे स्वर्धा। वित्रुवायस्य स्वर्धेवायते स्वर्धित्य स्वर्धित्य। वेत्र सुवायसेयाया क्वर्यायते स्टर्स्य स्वर्धित। त्वरःगशुंशिकः भिर्मेष्यः से से से से से से सिंद्रान्य । वित्रान्य से से से से सिंद्रान्य सिंद्रान्य से सिंद्रान्य से सिंद्रान्य से सिंद्रान्य से सिंद्रान्य सिंद्रान

क्रूँव ग्रास्य ग्रास्य अस्ति। प्रत्य श्रास्य ग्रास्य ग्रास्य विद्या । उत्तर् विदेश विद्या नियम् विद्या । विद्या स्त्र प्रत्य स्त्र स्त्र प्रत्य स्त्र प्रत्य स्त्र स्त्र प्रत्य स्त्र स्त्र प्रत्य स्त्र स्त्र प्रत्य स्त्र स्त्र स्त्र प्रत्य स्त्र स

न्द्रे न्यस्यस्थितः न्यस्यस्थितः न्यस्यस्थितः न्यस्यस्थितः न्यस्यस्थितः न्यस्यस्थितः न्यस्यस्थितः न्यस्यस्थितः न्यस्य स्थितः न्यस्य स्थितः न्यस्य स्थितः न्यस्य स्थितः स्यस्य स्थितः स्यसः स्थितः स्य

# भे भें भें उन प्राप्त हैं न प्राप्त का

# र्नेन शुनः कुषा

त्रार्कें द्रांगुः विषय विषय विषय इवःभ्रायाः श्रीः हेंद्रायम् सुवः से किया नर्हेन त्याया ग्रीयार्डेट ने स्वाया ग्रेसम्बर्धमानमुनन्त्रस्यवायस्य व्या न्मे नेन हेमा अळव या न बुद व्या दे। श्रूश्यान्ते वृत्यान्य श्रुवित्त श्रीता । से प्रयात् म में विवास से या वरः क्षेटः त्रावायः यावितः वास्या धुन् उं अ त्रा क्षे क्षे क्षेत्र कन् म क्षेत्र । ह र्चेग त्रा वराय शुर न सेया। मद्रायां वेया थेया था वेया या स्था

ळें रागरोग हुम् धेरा इराय सेरा। व व्याप्ताप्तर्वे प्राय्युव सार्ख्याया प्राय ष्यार्च सामेरावेदायाहेत्यायाया ने सम्बना सुर । प्राने न । ये वे निर्म हैं व व मुर्ग सु व मिंद्र मा व नैगार्थानुरुष्थायार्थकेयान्यम् अस्त्रास्थित्।। कें तर्यरायाय वरारम् अरायाया । नर्हेन त्युक्ष ५८ तो ते सुन गहे का ग्री श्रुट्राय्य्यश्रायाव्याश्राये विद्रापरः वृहा । ने सुरु सुरित्ते हैं नु स्थापन्या वयंविगाळें व् नेविः नश्यामाया। य में में तो लें में मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ इत्रभूषःश्रीःग्रयःविगं पदेनर्यः प्रिंगः श्रुया। ने उ'त्र'न्धेन्श्रीः प्रयाधितः वन्। स्नुगिर्वेशः सुसार्वे श्रुर्ज्ञ क्यार्व श्चे नगरमान्द्रायळयात्रमानुद्राद्रम्य। न्धेन्याश्वाक्षाम्य प्रमाय प्रमान्य स्थित ने सर्वेद्र स्था। नर्डेन'वर्ग्यार्थ'ग्रीराखे'लें र'वर्दे'सूर'श्रूरा

गाः भे हिंद्र गर्रे द द्राय ठेद से यग्रा से 'हेंग'में। क्रेंट्राक्य एस सम्प्रित्र र्विर धुवा गुव र्श्वेव भेर रहिर रहिवाश ॻॖॱॻॖ॓ढ़ॱॖॾॺॺॱॹॖॱॸॖॻॖॸॺॱऄॱॸज़ॸॱऄॗ॔ज़। र्श्वे श्वर में ते तु मार्शेर मार्श्वर मार्श्वर । व्राक्षेत्राक्ष्याक्षात्र्वात्र्वात्रा मर इया यो खर य तस्य लेट खेटा । वर्ने न्या इसमायार्वेद त्वे व्या स्टिं र न्ये।। र्नेन भ्रम् श्री अभिन्य मान्य वा यर्नेग्रंगे क्रेन्ट्रक्य हे क्रून्र क्याया नर्हेन्सेसर्ग्येयासुन्तुन्यान्यान्। ळट केट में धूर नेट हे सूर है। ठ्य हो दुरह्मस्य भारते प्राप्त निर्मा थेंद्रायहेनशाग्री सुद्रम्याहे सुद्रायेत्। मट्द्रमायीयावस्य स्वायाश्चर्यात्रा से 'र्नेग'में 'न इन'न वर'हे 'क्षेन 'येता। ने नश्चन द्वान वितान के निया ये वे पी प्रमान्त्र के प्रमानिता

नर्डेंबरपंधेः र्हें देखार्देरन्य थेंत्र हत विगार्श्वे राया हिंदा ग्रामाय विषय ने अन्यो प्राप्त स्वार्थिय द्वार्थिय द्वार्य द्वार्थिय द्वार्थिय द्वार्थिय द्वार्थिय द्वार्थिय द्वार्थिय द्वार्थिय द्वार्थिय द्वार्य ये वे वे वे विद्यह अपित्र । वियामें नारी से स्थापयाया सकन्। बुर्वा थे 'कु र्से 'कुर्य राष्ट्रमा यरयाक्त्र विद्राप्तर अर्थे अर्थे वार्य रोसरा उत्र इसरा पर वर्ते त है वा पेरा ब्रें सार्वेद्दर्द्दर व्यास्य रोसरा उत्रम्सराध्यम् वर्तेत् छे वार्धिम्।। रोसराउदाशी ने स्वाहिता। त् ने हिंद रदा अर्गे से वहिंद सान विवा सुर्ने त्यानक्षन गुःहे सूर गुरा विश्वासार्श्वेषाश्वासायकयामात्रसातुराकुयाश्वरा ने वर्षान बुदाया वेवा सुन्त्या वेया। रटःरटः अरः वर्ष्टैं नः श्लेषः विदः वद्या। ये वे वे विश्वित्र विश्वित्र विश्वा विश्वा

# नेवियानियायनय। नन्नानिष्ह्रेना निव्यायनिष्यानियानि

# र्नेन गुन कुषा

हिन्दे रे तर्दे पाश्रम्य में मार्च मही वार्षेत्र हो वार्षेत्र स्वा বাঁমম'বাপ্ৰমা हिंद्वे हे वद्दे विषय वदे विद्वा विषय हुत परे समुद्र सामित्र वहेगा हेव श्री से मेराया र्रानी से कुशरूर र्रायोः भूर भंग 天子河·周子·卷刻 र्राने निर्मा र्राची धुय र्श्वेष र्ट्यो में अर्थ मुनिर्द्रा ररानी अरव रेश निना वेश गुर पेरा धेव वत्र में अर्थानियां ग्री अहे अया यात्रा गंडेगा गुरु त निमानी के मा वही नग

कें साया क्रें वासे पी प्रो क्षेत्र वश्चर ग्राम क्रें ना

देव गुर् नेंन्'प्र'न उर्ची मर्विन तु विग मी र्भस्रमाग्नीमा क्रें नदे नर् सकेंद्र'संदे'व्यश् यर्ने र वा श्रुव पंदे नश्या श न है न 55'रावे'श्रेअ'रा न्युम्पंत्रसर्हेन् श्वेत्वव्यव्यव्येत्वेराया में सम्मिन्या ने मारी सहें मारा हिनायी क्रेंन शें स्टा न्त्र्गु अर्कन्। न् निर्देश्या श्रीयाश्चार्यये यावन निवाययाय विवाय है। यस वर्देर दे ग्याश्विन्ग्रियाम्भियाग्रीसहस्यास्त्रिन्यास्त्रह्ना マングラン

यर्द्ध में अर्था विराधी अहे रास हिन्य से पर्नेन्य दे में वा त्रुमा नित्र नित्र में नित्र नि यहें याया हिन् ग्री श्रेन हे दे हिन क्षनयान्ता सहें रासा विद्रेश र्याया हे दे खेता या गुरधे या विं नेदरस्य गुर्भस्य अवाउदा वस्य अवाउदा द्राप्य सर्वे न्यव हे ने न से न स्थान है से सु वह व सम विदा में अर्थानिया ग्री अहे अया या या या हिंद्र के के दें द्र हुर अद में दे देर की अहे अ अ धे क ला र्नेन स्निन्द्रम्य मिष्ट्रस्त स्वाप्ति । स्वाप्ति येग्रास्य ग्रांव र्रेन्यो कुष्टिव यह वेद्य प्रांत्रिग्रास्य प्रांत्रा न्गे नदे भ्रूग से सम ग्रे मूँग विग्रम वसुय वसुय प्रमुख र क्यानगरावर्षेवाययाग्रीम्यामरावेयावेयान् वहें निवेषिन्त्र न्यसः र्से प्रकेट होट हो अस्य मार्थ र्से वा स्टर्श्वाय स्था र्से वा स्टर्श्वाय स्था र्से वा स्टर्श्वाय स्था र् न्चरःश्लेशः सः ग्राकेटः ग्रीःश्लेटः ग्रानुसः वर्दे व्या वित्रम्दर्दे नकुषा धेव गुरा অব উবা বাশব শেন শাব্দ।

में अरामिश्रामी अर्थे अर्थे अर्थे अर्थे अर्थे

बिन्नर भारति स्वर्गार्दे र न्यर खे कुन्यय प्रविष्ठ र स्वर्धिय हिंद्रा ग्रेश्वा हेंद्रा विंद्र शुक्र वाका का साम हैंदर हैं का दूस दा हिन रूरानरी में खूदानाररा सेते क्षेट्र राज्या यह के दूर सूनरा हिन् ग्रीप्टर कुन्यह्र लेट खूर्या नश्रम्य म्या गुस्र प्रमुद्द हैं 'सूत् र्देश हिर्ग्णे अहर्र अधिव वे नहें राष्ट्र अपन्य पर् हिंद्राध्वर पेंद्राग्य निष्ठा स्था ही साथी हिंद्रा साथिया से द्वा धेव'व'धर्। दशार्ष्टिन्'यानर्हेन्'रावे'तु:नुग्रुह्शान्हा सुराग्री मिर्वेद भिर्वे में कुराग्री प्रसेय पर्वे राप्ता सर्दरमी'न्सर'न'र्पर'र्से ह्रापी'वळर'न्न'र्दर नशुनुन्त्राः कग्रायः पोत् सिन्। देव'गुर' नःकृतेन्यावनेना

५ १९६२ ५ अप्यत्ते म् हिंद्र ते र्केमा ने अप्ये अस्य ग्री ५ ज्ञान कर मी अर्ह्ध अर्हे। स्ट मी मिर्देट त्या क्षे र्वे अप्ये मिह्न स्थान क्षेत्र विश्वा स्ट रहेट्र ते प्यह्य भ्रीट यह अय्यो मिह्न प्येत् विश्वा स्ट सर्मी स्ट मी अप्याणे मा अप्यत्य अविश्वा

र्राक्षेस्र र्राक्षेत्र कि र्राष्ट्रेन्थे र्राज्या शेरिग्राश्राणी या कुर्देर विद्रा दर्ते सूस्राधंदे दा कुरा विदस्र दस्र न्या रितिश्वास्त्र न्यू स्ट्रिन् अहं श्राम्या ग्रियाम्वियाग्री सह यास्त्रित्या विंद्राची श्रेद्राद्राद्राया नवे श्रेचा श्रूद्राची के शाश्चद्राची न र्षेर्या वनराज्यावेराञ्चात्रापा ने 'न्या'त्य' विं ने 'वे 'वे न'हे व' के 'व से न' है। सहसार्वेदायाम्बर्धास्त्र सहें अ'स'हिन'त्य'नश्र्वा अ'नहें न'होन'रा'ते। रग्रायाययायवे धेरःरी र्गेययां नेयां गुरासे या या या या गाधी

गयः श्रेन कुंगून श्रें हेग हन्। नवाने यो गुरागुया कु'व्या'यो'त्या'वहेँ अश्रा दत्रुवा'धुव्य'क्चे'वारश'श्रुव्या श्रुवा'वावेवा'वी'न्ररं वना ने निर्देश श्रीम्यायि रेस अपने म्यायने म्यायनि म्यायने म्या अन्तुः धेवः वृ मिंससम्बन्धिसाग्चीसहस्यासाग्वेनायवरा यर केंद्रिन्द्रमय धेत कुर्रा के सुर्व या गर्नेट्रमी नुसर्ययद्र थेट्र श्रेट्रमी सन् में अरामिश्रामी अर्थे अर्थ अरामिश हिन्यवर्धिया सहस्थान्य क्षित्र स्थान्य क्षित्र स्थान्य र्धेन या पंर्मित्ययदार्गि अः शुःभिदार्थे र्मित्य स्वर्भः दे प्राय्य भार्थे । वित्राय दे प्राय्य स्वर्थे । वित्राय स्वर्थे । वित्रय स्वर्ये । वित्रय स्वर्थे । वित्रय स्वर्थे । वित्रय स्वर्ये । वित्रय स्वर्थे । वित्यय स्वर्ये । वित्रय स्वर्ये । वि ব্যথাপ্র

व्चित्रः ग्रीशः वेविश्वार्षः यो प्रति । यो प बिन्नरहेशासुयाग्री श्रे केंग्रायान्य श्रीरावर्षास्य यदे स्वानस्य ग्राम्पेन सेन सुन्य स्वा বাঅ:শ্রুবা व्चित्रस्रिक्षान्दर्स्यायिष्यान्यस्यास्य य धेव वा ট্রিন্মেন্থের্ডি, ক্রুশগ্রী র্বিন ঘ্রন্থের্ডি, ক্রিমাপাগ্রী দ্ব बर धर थें र जे य शेरा देवे भुन में अर्था में नेर्या ग्री सहे या या या या हिंद्रा शेष्यदार्के ने के प्रमित्र देश द्रमाय माय विवादि। विन्गी सुमार्भेनमा गुराहे पर्वे के मानगवान विवासेन अरा ট্রিন্'অ'বামর্অ'রেন্বম'ট্রিন্'ররি'ন্বর্গিম'র'র্র'নম'র্'ম' सकेश सें प्राप्ता ग्रम् जुर्गे क्रिन्स श्वाराक्षेत्र वा मु अळे प्येत गुर तुय प्रत्यूर या ग्रम्यार्नेन्यीःश्वेन्श्वेन्र्रास्त्रम्याधेवावा ग्रम्यं पेत्यूर श्रेर में ग्राय पेत्

# यनः स्त्रितं मन खु। मन स्त्रिया र्नेन युन कुला

क्रूं बिट नगरमा भारते द्या यानवा र्दे विद्याद्यायं के विद्य यम्यःविमःके नदे यावी सहस्थित्र स्वाप्ति से के किंग सर्वे दिन निहिन् पिते खूत में .....

জ'ম-

ने विश्वास्त्रम्य स्वाद्य नि सर्वः र्सुमार्थाः ज्ञानियाः देशामा वरः विद् ळेषाळेषानु प्रमम् परि समा कुरमेन

क्रेंग्रन्।

शु नदे सुन्य सेट नगर विट है स सेट या दिन् ग्री विमा यो दे । स्य ग्री वे श्री अर्देन श्रा ने उँदे के मुला बर्देग'मेरिस्स्

न्नर नेदियातु नेरा ... केंब'न्ना कुः धे प्रत्रम्भाग्रय् विद्रसूत्रव वहे नरा स्वा यर केंद्रे सुन्जुर्य ने दे विरस् क्रमाये न्यूरम् न्ज्रस्य उदारम विञ्चापाद्रमः... ग्रे—एर्ने दे न्दर्भवित ग्री स्व रहे द्यु अ अ विवा अ धेव हो नहेर्डेर्'ह्य'म्दे'त्र्यश् देहेग्रयायायोदायवे श्रेटा व्यायासेन्यतेन्यत सहसंभिरावर्षे सामित्र सूत्रविद्यादे नर्भा परिं तु..... र्ने न पारमा उव श्री पार्विव वु इसम्य श्री प्यर हिंदे स्व छु ने न वर्ने ने-र्भः रवशः है : लुदेः वें : रवशः वक्क र : इदेः वें र : रेवाशः वार्विदः त् इस्य राग्ने पार्य राग्ने द्रा भी राष्ट्रित रा

वननःवहिंदानी कुस्रसावसून्। यरकें ये तु कु रे यो'यो। न्न कुः धे य न कें था यर कें 'से 'स्य कु हिन्यावहिन्यायायायेन्यवि श्वेतः श्वेनयान्ता — व्यापाये दाये क्षेत्र राष्ट्रे -१,सरामा से दायि दे विष्यः भूगाया -वहर्षायवासेरामवे क्रिन्या श्वायावरी सुन्तु विवा है। क्षर्क्षरायाधेता रेट्र'यग्राग् न्ध्रन्याशुस्रायदात्रस्य स्वर्थः स्वर्थः स्वर् न्चर्गशुस्राक्षरान्य विष्यानितः सुरसेन क्रॅंव'गशुअ'अ५'५८'शेर'नवे'श्रेट'नइ५। न्गुन्गशुस्राम्सान्दामान्द्रे । प्रान्यस्य গাৰ্ব খেন্য ग्राम्स्राकु—्इ'कु—ग्राधद'कु—्द्रग्रस'कु— —रे.कु—रार.कु—रा.कु— सर्व.कु— यर् र त्र नग्रःवियाःमदेरकु। — न्यो स्याया यहा न्याये स्था

— र्नेन'वश्चन'मवे'कु — यत्यग्न कु ५ खू त कु । कु —स्व शुया के पाया पंते कु श्री कु: श्रव से मांठेगा नकु: ५८: नकु ५। कु श्वाकी या हे या हि साय नुसा हिन दे समुद्र श्रेय ही एक दिया धेद मश्र নালন্মা এম:ক্রী:ব্রনা:অম:ব্রন্মন্ম্রিন্য होन्'ने'र्पेन्रायन्रायी'कु'नेवा'पेन'यश द्यः मैंवा वी वाषद यश्यकेंद्र वर क्रेंत्रभा विद्रायायायर वुद्रायी कु श्रूप्त्र प्रति श्रीत्र भाराद्र थ्रुत्र प्रभा विन्यो हैं हु के विन्यु अ के निर्यं न्य या विया भूग रा के। हिन्दे वित्याम सुत्य वित्ते वायामित हो स्थान विद्राग्री नत्र कुत्र देदायायनम कुत्र द्रम हिन्'ल'श्वेगंश'अं'लेर्नेर'विन'श्वेन'गंड्न'गविन'मदे'त्रा'पान्न' हिंद्राग्री सुरु से सरामार्ड दाया यदा है दे द्वाया पेंद्र कुरु। न्यःकुःषा हिन्दे से कुषा हो नगर में नि संदिरसंभारियसंभारित्रे संदि हिन्गी दे साम्यानि कु मिन्या र ने दे दिन्द्र ग्राम्याञ्चरम्यायमेयायम्यायम्

हिन्गीःग्रोनेग्रायान्यस्यस्यस्य स्थायम् नेरिन्द्र्या हिन सेन वा शु-रेगामित्रम्याम्।यारम् हे सूमायुन्। हिन्सेन्न। नर्ने देग रादे कुर्जे ला है है सूर पहेंग छिन् सेन्ना प्रश्रें न'रेग्'रिग्'र्रिय्र'र्स्नुर्या क्ष्य्य स्था व्यव्य स्था क्ष्य स्था শ্রধার্সার্— हिन्'ग्रे'कुःनेषःन्दःवर्गवेरशेश्रश्यवदः। क्रिकाशीः अपितरा नुअँगायविगायो निनः हेरा र्सेरशर्त्रणुः खुरा क्रेट लेव श्री मुला स्वर सेंगास सके साग्रट श्रेट सेंट्र येवुवायम् होत्'य'यद्रास्टित्स्य'निहेत्'द्राः भ्रेत्र्य'ग्री'द्राय'द्रा প্ৰব'শ্বমা न्त्र्व्याश्वर्याः विष्याः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विषयः विषयः विष्यः विषयः वि षर:स्रासकेरात्य

क्रून'वर्द्धन'ग्रे'श्रु'श्रेश्राशेन'ग्रे'नत्र्मुन् — यत्र न् मुन्य गुन्य गुन्य केंद्र स्वि देश स्व दे देश न गुरःमाः वः पेंदा क्रुं अळ्व वं हिन्गी कु अर्गे मारशन्द प्रहोय हिन्। होत्रांगु कु स कु अर्कें र वहे अ पेंद्र भवे हो रा हिन्गी कें कुषा ग्री नत्र कुत नेर सेषा रक्षें या या त्रें निहे न न न या के या वर न न न होत्रंगुंर्यः र्वयाग्रंग्वत्रः श्रुः श्रुवः स्या ८.कू.ज.अज.श.८८.कू.च्याय.चक्र्य.चू.टा याश्वर शूर रसं— स्व छ याश्वर र्नेन्यान्राउवाधीयार्वेवात् स्रायाः भी द्वारायने प्रायिता গ্রীশাবাশবাশার হার্ सूत्र-पायो ह सर्वेग र्रेसिय राज्य प्रान्दि सुर हा ब्रेन ब्रेन ग्रेन ग्रेन केत क नगण के गत है क्रिन श्रुन श्रुन सर्देव नहें द्रा शेरा में 'द्रेमार्थ स्था माने राव हे 'क्षूरा ह्या ब्रैश्यान्यं श्रेष्ठाः दुन्यः द्वन्यः अन् हे अ ग्रे म नुष हें द नन शुरा व शुर्धि अ वहें व ळव देया यो यार्वेव व्याया यम येव व न म्हा न है । सून নগ্ৰী ব্য

অবাথার্থ — ইবাক্ত অবাথা हिन्गी न्द्रसंभेदायायाया सूत्र विदायहेन सामित्र सु यशः हुरः नंदे :यदः ने 'न्य —मंक्षेत्रें सेसराशु में या में से महिंग न बुद खेंदा र्रे.आ सक्र-भूगार्दिन्रङ्गिनःतनमःनवेर्श्वेतःकन्गीरुन्रः ळंग हो दासे 'सुदारेंग न्यः कुर्ते दे प्रत्याम्या याद्या प्राया याद्या या না'অ'র্মান্ हैं, न्यर्प्यवित्रिं क्रुश्यी ने सर्वि खुशर्ये जा र्भार्त्र अंतुन्यदे र्स्योगी प्रार्म संस्थान यरक्षा भी तसर स्थित से रिया ब्रेंव बेंच श्री श्री राविया श्री श्री श्री राविया श्री श्री श्री राविया श्री श्री राविया रावि यत्व नर्भेत्र ग्रे ने विषय में विषय में विषय में निष्य गुःली र्नःकुःलग्राश होत्राची केया केया वार्षे नित्र क्रम्या सेटा न्दा यर विंद वर्षे र नदे ग्रा ने ग्रा रा या रा न ८:र्कें भ्रो —र्नेट्यारश्डन्यो श्रेर्यश्याश्चर्यं स्वर्ध्याश्चर

यर्केंद्र'ग्र्र् हिन् ग्रें भूरभूर प्रवन प्रवे कु कुव प्रा दिर'दर'नवर'नवे'कुं'कुं'लेश— –র্মন্মান্মান্তর্গ্রী:মান্মানাম্মর্মান্মমা अर्देव'वर्ग क्रेट्राबेवा नगायमुमा क्रेंट्रम्प्ट्रा खेर्खे... रःर्हेंदेःश्रेःन्नशंपदेरांदह्याःध्यांनातृतःत्रशंभेन्। हेश खुर्या या से बिया वया वेया हे र ... .. टर्केंदेर्न्यं स्वयायं न्त्र कु.ल.स्य की रः र्हेंदे से सम्ते हो हो नु ग्री पर्मे मन्दर न सून न मार्थे न न न रः वैदिश्वमा ग्रम् विद्रा ग्रे कुन दूर दर्शे मार्थ न राज्य स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त अर्देदशं प्रदे व्ययापर— गुमार्गेमार्श्वरायशके'द्राधरा र्नेन्गी मोर्वेन् न् इस्र रायहेग्र राये में भूगरा ज्या विना ८ व्हें अ रूट से वे के से गुरु विस् सर्व न र्रेन्टिंग यस मासर न विमाय हो र रेश धीवा

ब्रिंग'न्द्रा बाय'तबीवा'यदे'नु:नुस्दाने'ने।

र्वेन्यान्याञ्च भी से स्वयायायम्य केंब'न्न' वर्गेश सहस्राप्ते सु भु ने हो वैन्यार्था उव श्री या विव वुंदे ये वा श्रानेना दिन'ग्राराय'र्सी'यराकेता ग्रांचे'नहें न्'ग्रे'ल्य्यान्। नरे क्रुट्रं ग्री पर्कें ना वन्तरहिंदां ने तुर्ग् म्य कुरे यह कें या प्रायाय मंत्र हो हो यर केंदि स्न कु दे ने नश्यूर कु समा सन् र्नेन्यान्रारुव्या की पार्विव रन्यश्रम्य राम्या यश्चर्पतिःयर केंद्रे स्वाकुर्मेत्

र्नेन्यान्याः उत् श्रीः यवित् तुः इस्याः श्रीः सेस्याः तुः स्ययः श्रीः सेस्याः तुः स्ययः श्रीः सेस्याः तुः स्ययः श्रीः सेस्यः तुः स्ययः श्रीः सेस्यः तुः सेन्।

## विनेष्यत्रमातुष्यक्षेत्रभित्रित्रविष्यविष् श्वित्रायास्य विषय्त्रम् रेत्रयुत्रकृषा

सहं सः सूरा মর্ক্স্ম্বা श्रेटें सून श्रीन'म'ळग्रानि'र्ख्न कन्न्। थिन'न्'र्वेट'नवे'र्वे'क्रुश'ग्रे'तुट'न'न्ट्' श्रेट्र प्रमापियायययय न्हेन्नरन्गयन्वे भेग्नु विया गुरार्थे राया सेरा अरा र्नरमेवे शे मैग्रांवर्ने प्यरंभावगावर्ने रामस्या ग्री सुरार्ने यश्नुन'मं विग्राधित'रेशाया रेगार्र्स्य के अर्द्रा অ'ক্কু'ঐ'নু'ঐ্ব सेसरा हुर में वर्षेश

क्रेन्पर्न्यायः वर्षे ৾ৢৢৢঀয়য়য়য়ৢঢ়ৢঢ়ঢ়ঢ়ড়৾ৢয়য়য়য়ৢড়৾৽ नेसम्बद्धार्यान्द्रा इस्रिश्याहिराणी पद्मन हैं निर्मे की स्रिश्या योग गर्दायहें त'ध्या वनराभेरा बुदाया नहेत दर्श नशेषाः ध्रवाचीः ध्रायायने मः विष्ठायावि कयाशायाः साधेव वसा र्देश इंश्वेश्वेरिन्द्रें वित्रें प्रतियं सक्त हेन्स कर वेदिया **म्यामें से से से मिल्ले में मिल्ले में से मिल्ले में मिल्ले में से मिल्ले में मिल्ले में से मिल्ले में मिल्ले में से मिल्ले में से मिल्ले में से मिल्ले में मिल्ले में** श्चेतु गुर कुन से संस र राय र र र हैं से वियित्र के स्थादे स्थाप ना निया से दासे पारिका गी हैं असंस बिट'ग्वित् में क्रिं प्रायायें अ'यन् अ'रावे'र्ग् मुत्र'र्षे न'रान्ना र्विट र्छें वे नु कु न इसस् निव निव स्वी से विन निव । यार्थान्यंत्रे श्रुद्धा शःश्रेंदःखुदःश्रेंदःतु वें र्यास्त्रिन् वें स्त्रिन् प्रदेश्चन्य स्त्राम्य स्तर विन्श्रेन्सेन्। देंब्ग्यूर् ने 'वे 'कें कु अ'ग्री 'न्यन 'कें 'धेव 'य'न्न। र्श्व वुर्गे द्व हग्राश ग्राट रे ग्रेग्रे। ग्रेंगशर्भियम्। न्वार्यं अर्धे अपाउदाना बदार् प्रश्नुर से सुर नार्रा

सर्देर-दसर-प्राथम्था स्टर् हो दुवे से ग्राया प्राथम् र्श्व तुं के लिंदा भ्यात्रवार्देर:न्यर:वेंद्र:शे:न्यग:न्युर:वेय— न्ययः हुत्यः शुः सहनः हे शः वे-कु या र तस्या श रांदे 'धुवा मं क्रिक्ति विस्तर्भ गाव्य भरा নঅ'র্নি'ব্দা पि.कृ। त्य्रार्श्वेरश्चर् त्र्वयःध्रयः श्रेग्रयः स्परा श्चेत्र ग्रे श्चात्र ग्राह्म भे अट क्षु न् ग्रुट्य है । बंदे नु न् ग्रुट्य न्वरमारुवासुरं वरमारे नविवासुनाया विनासीमार्थे सा थेव'व'थर' নমমার্ক্রি'বামন'ম'ন্বিবা'ন্দ্র' क्षु'न'ग्राराम्य'न'विग वर्देद:कुंवःयाश्वरःतःवेग শ্রবাশ শ্রুত্ম বাশ সংঘ নিবা– श्चे केंग्र मेर स्याय थी यार या है र या शुपा प्र तर वे व कु वे।

नशे दुवे र प्रा र्याञ्चलाग्रीःश्री यपियः धेः सप् स्या शाधी प्रहतं कें तानितातु । प्राप्ता प्रति ট্রিস্'শ্রীমাজীপ্রীমা क्रेंद्र लेव ग्री अपयः द्री दशः यदे रा न्याःकवाराःग्रीःकुःवहितःयरःवेदःयार्थेःनःनरा नर्गा त्रिसंस्था ग्री क्रिंग विग्रसंभिग भी गा पुर दिया भा र्श्व मित्र श्री श्रूप कर विस विस निय प्रति स्राय परि শ্বভাষা বাদ্যা धेववदरा श्चीयायात्री में निवित्त स्वादित्यात्र स्वाद्य स्वाद स्वाद स्वाद्य स्वाद्य स्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद्य स्वाद्य स्वाद ग्राम्यार्बेट्याग्री त्या मुद्रिश्चेत्र क्षेत्र प्यारेत्र व्यार्थेट हेया धेव ला लुंयाविराग्राप्ताव्यार्श्रेन्यावेयावेयाव्या वतुन्देशनेन। र्ह्चे स्यायम् ग्रभरं श्रुभागर्वित त्।

मुयाप्ययाग्रीपादाधेभ्वेयाग्रीभ्रुदाधेदायापदेवादुःकुवाग्रादा वयाश्चे न्वायावाश्वरान्न यन्न याश्वराधिन प्रभा विन् में उ.ज.सम् ग्रेग्री ग्रीम्थार्भ व्याया ग्राम्य उत्रं शुंग्वित त् ग्रम्यहें न्युं क्रिन्यं सेन्त्र इट्यन्तेत्र बेर्या पटा सेट्या **ক্র**'বর্ষ'র্র-র'অন'স্কুদা'ইর'র্ন্ देव'ग्राम न्दे सेगा यस र दूर न ते — नरे श्चेर् शेर नर्त्र हे भेर भेर मन् र्दे इ यस र र दि स्टार्ट स्टार स्टार्ट स्टार स्टार्ट स्टार्ट स्टार्ट स्टार्ट स्टार्ट स्टार्ट स्टार्ट स्टार्ट स्टार्ट स अर्देरशरादेखिंदाधीता ्रदे से समान द्वा पु सके र हिर हेर नित्र पिते श्रेट गुर्शेव में विगाणिव या वर्ने वे। सवाके राष्ट्रिन रूट के विश्वेस्थान इग्। एं अर्केट श्रेट ग्रेट न विव मंदि श्रेट गर्रे द में विग श्चे वि. ४५ वि. ४५ वि. १५ वि. १६ वि. १५ वि. १६ वि. १५ वि. १६ वि. १५ वि. १६ वि.

## স্থাপ্র শেশী 'শ্লাই'।

#### বাইবা

#### र्नेन गुन कुण

न्त्रम् त्रात्रात्राद्यायः निष्टे निष्ट्रम् क्रून्ये शुर्न्य रेवा प्रदेश्वाक्षेत्र वार्शेत हा रे'र्वाश्राद्वीं निर्देष्टु इस्रश्चाया सेनशः ह्या ष्ये या यदे 'क्षेये 'द्रयो 'यळ व 'त्रे 'या व या । ग्राम्याः उत्रायिः श्रून्याः थेः श्री च्यार्गर्यात्यार्थः हेरःश्रुवः य्याय्यार्यः न् च्रुर्यः हा नहरंशासासे दासरावें विदेशहिंदाया वर्गेरसा ग्रम्भंग्रुप्रस्थायायदार्केविप्रम्यः श्रीभःश्रीस्रा न इन्त्रना त्यर केंद्रे क निया निया में या या व श्रम्यान वरायक्षतायहितायित्र व्याभिष्ठा । ग्वसः हेन् वर्षं याष्ट्रिय हैं वर्षे वर्षे ष्ये स्थाय के ज्ञान नाम नाम साम हो हिना । रास्ट्रेट्ट्रिंग्सळव्यास्त्र्याहिंद्रायास्त्र्या ब्रुंधे नदे क्रेंद्र सासुका हिंदा साध्या। युं पी के कि ना मुन्य मुन्य मुन्य वित्र के मा ने भ्रात्र पार्ने मित्र मुख्य मन महित्र रटाश्रेस्रशस्त्रवुद्दारांदेःस्वित्राश्चर्दारास्या इ. घर रेया अक्ष्य अ. खें या भिया वि क्रें निते मु कुर लेव लेट लेट क्रेट। गायो मार्सेन प्रांचेन न्या कें नियं से सिर्वा

रोसराम्यार्स्सु वुग्रारार्स्स्य निम्ना शुया हेत ख़ु भी नु से यह राया विगा रेट से द हिंद शै हिस बन न शेट पर देंट । ग्राज्याराधेराञ्चातेगात्तात्रात्रात्राया। गर्वित त्पायळंत रे पीत क संस्वा न्दें स्थाने दें विया न्द्रित स्था। नश्रमं र्से निवेगाशुस्र न दुःगिहेश न न र् न । इं नर्वेद नुः सेदे सुर नसूद भेद मं ने या। र्त्तुं तुर्रायायायाया श्रुराकर वेयावया । नम्भूम्प्रीम्रास्प्राप्तम्भित्रेष् सळ्म सूर्या स्वाप्तरा से में सरा सूर्ये विवा नगरमान्ते म्यानिक नमाने प्रम्याने प्रमान श्रूषं नवर धेर यं नगव नहे वे नमय क्रिया विमा नञ्जलानाने त्रा हुम् द्रान्याया । विश्वास्त्रास्त्रामयः यश्चन्यः यश्चित्रः से तुः से न्द्रः रिवि । र्दे निर्वित नुः सेरि खुर निष्ठ्व सर्दित सुस गुना। श्रूषान वर में निरंद्र वर्ष निरंदे में में में में निरंदे के निरंदे के निरंदे के निरंदे के निरंदे के निरंदे के श्रुः स्ट्रियः यदे वे भूगरा पूर्वे राष्ट्रियः सुर्वे ना नेविः धेरःपार्वेवः त्राः श्वेनं या केरः नश्चेनः ने।।

श्रुःधी तुः र्वे र-दि निह्म निह्म निह्म । गाःधे गार्शे त'न्द्र' सक्रम् भूगा यद कें 'उत्।। नगर रेवि ग्रात्या गरेन रार्थि सह रास हिन्। नविन येग्रामा के राज्यमा श्री न त्यान स्थान स्थान निना नर्द्र असे न निवेद्र अपि सुप्त असे निवेद्र अपि सुप्त असे निवेद्र अपि सुप्त असे निवेद्र अपि सुप्त असे निवेद्र असे न ञ्चानर्वे अप्रयाययायये मार्थिय व मार्य व मार्थिय व मार्थ व मार्य व मार्थ व मार्य व मार्थ व मार्य व मार्थ व मार्य व मार्थ व मार्य व मार्थ व मार्थ व मार्थ व मार्य व मार्थ व मार्थ नेत्र केत् कुत्र करे अर्के अर्जन निर्मायन्।। न्यंयानवे न्त्रे असे के लेट हुआयान्या। श्चेत'न्यूरू'रेट'रें र्जेन्'ये'ग्रेज्निग'राव्या श्रेमायम्भा बुदावे कुःलेला शे र्वेदान विवा त्रायाश्वास्त्रम् वाभिष्यास्त्रेयाभे दिन्द्रम् । श्रुर्वेद्वित् ग्रेन्त्रन्य में इस स्थाय दे। श्लेशमां से वर्षा है साम के में के वर्षा रे'য় য়ঢ়য়য়ৢয়ৼয়ৼয়ৢয়য়য়য়য়য়য়য় श्रुःधी'माबेदश'वे' दुद'बद' सर्वे 'न'दूद'। सकुः धे प्दर्वासार्गरायात्सरास्य स्वासा । सग्याद्याद्याद्याद्यादेशो क्रियादे । श्रुरायां शेर्या स्टान्य स्टान हिंदिने भेटिन से सार्क्य की प्राप्त के निवा वहेगा हेत तु से इससा ग्री गाईगा कुत वड़ा।

हिर्वे कु भूर हिर छे क हा नविवा वह्यान्ने दायहे याँ यां वे प्यें वा प्रवास या सुया करा वा विद्या स्याः ते : वा से : से पा सा सुदे : सुसा से । सहस्यां स्ट्रिन् ग्री मेया संस्कार के त्या है स्या स्था यायायर इर रेवि यात्रय विवा यद्या विश्वया। ने विश्वासहै शासान्त्रा व्वेतः हास्यशान्त्रशा श्चेत्र न्यु अर्भेट में खें अखें अखें अत्वायान नि गर्नेट वे गर्भर विद्यास्य प्रति से प्रति स्थापाय विद्या र्ट्सिन भूट ग्रीयायकेट केंगायटी सूट हुया। गायों कुं राया गुर्शे व प्रायमे वा हेवा से वा से वा भी वा वा विव वा । यदः केंद्रिः दमयः ग्रीशः श्रीस्राधाः प्रदेश्या त्रुयाश्वासः साहेशः पेदः विदः वीः से याश्वासः शुअ हेत नन्यार्थे नत्यारा परि हमा कुष्ण स न्य में प्येत हैं।। नुः सिदे साधे से दाया कंदरा मं से मार्चे किया गुः हो। नुःसेंदेॱसंधेॱसळॅदॱख़ॱॸ्ॻ॒ह्रसॱउदॱख़ॗॱसेंॱॸ्टॱॻॖढ़ें।। तुः से निन्या यो से दाया गुतान्य वाया क्षुः क्षेत्र हे सा हो र नि क्षेट्रा सुंग्या भाष्या भाषा वार्य निर्मित्र से वार्षे । वहेंगा हेत से प्यें प्युव्य श्री स्रूत पवे ग्री ग्रामा सार दे हिंस प्रस्ता वहिना हेत से भी भुषा र् रने ने सक्त नामर रा भी माने र मान्य न

र्श्वेत कर सर्वेद र्वेश सेर प्रेर प्रया ही खेंत क्र प्रवेद सर्वेद प्राया नुःसेदिःसेससःग्रेष्ट्र्न्यःपद्देगाहेन्से भुष्यायःविनःसेन्।। तुःस्रिः र्रेव प्रशान वर प्रशान विव तुः वित पर प्रतान स्था वृता। ने अन्याश्रम्यविव सहे या संवे सेवा वी सम्या वर्षियामा से न्यान विव तु ने म्यम सामा याग्यराय्वेवार्याः सुद्राय्येयाय्वेरायी रे द्वाराधेवा उठ क्रेट्र राते पर्ये र रेवारा देव गुर सहं व न हें वे सर्त कु न स में भे भ धीर्गी:नगर्भें भूत्र रें ब्रेय नवे धेरा र्वे ग्रायम् श्रुम् प्यम् श्रुम् ययः स्वर्धिन यः वर्षे म्य सहसासियार्देरायाद्द्रसाम्यास्य साम्यास्य ष्रेयादेनाःहेत्र्रेत्र्यत्र्यत्या नगर न् शुरु राये पर्ने न थुव से खें यां हे या। यवं र्ख्व र रूरे राये हे या शु सर्देव र कवा या या श यत्रकुत्रसगुत्यःत्रश्यापरःद्याःवृहुत्रःसरःहेस। नेराधरासहितानसायहितासंत्रेत्रेत्रेत्रींगसा बुरा। न्वायः नने सः स्वायः विदेश्यम् । । मन् सें म् हेव मदे है सम्वित् वृष्पम्।। श्चेर्यापदे खुंया श्चेया त्रा देवे प्रयो हु र्रेया वेशःश्रुर्वेदिः न्दः भूषः न वदः गहेशः श्रूदः न सबुदः रादेः लेतुःश्लेषान्त्रेसामर्दे।।

कृकुरुदिन्गुः बुबायदे यन् के प्रांस्ट्रिया सदे। गर्राचार्या श्री माह्य प्राप्त प्राप्त विवास सळसरा होत पाराम प्राये पारे म्या प्राये स्था । वह्रसामवे वे ते न्यो के समासे न सुवा सुवा नियान मुना । श्रुक्षें सह संसदे नहें न्द्रहें वन तृ शुर्वे रहें ग्रम्प्रत्याम्याप्रति। विः भुगाः भ्राभे प्राप्ति। गुन्दर्भेयत्वराकेयारक्षेत्र्येग्राशीयम्य। सहसासियाम्यान् प्रस्टानिये से हिंगानी हैं निया श्रयः नवरः नवादः नवे स्वायः यो वायः श्रेयः शुः स्वायः हेरः।। र्वे ग्रायम् अविग् यम् अहे या प्रवे मार्थे प्राप्त प्राप्त । सहसारित्रीयान्द्राचित्रास्य स्वाप्तित्रा कु वर न्यो अळव या शर मंदे न्यय खेव ने अर्वेद वशा युःर्रेदि रोस्रायः में सक्रम् प्रकम् सूर पीरापिर्यः है। कें याद्र याद्रव श्रीयायायाया अकेद कें या वदे देया या गायो मार्शे द दरके मार मान्द शे भें मारा। न्रःश्रेष्ट्रिग्रायात्रःन्द्रितः स्वायाःन्द्रियः विया। ग्वसक्तुंगान्कृतुर्वेरत्यो नेव केव न द्या श्री शा है 'शे न हुव भावद्या 大芒对"在"中的"别大"是"别大"当天 ने ने निर्मा में श्वेद में मिश्र खुर में में निर्मा

में रिस्सु भे भुष्य पुराय तुर्ग्य रात्वा रात्या । न्तर्शे सुँग्राय तर्गेर देर दशेर पर् निवसःश्चीःगाःनःसःधिवःश्चवःर्भःनेन। । यारश्रान्यारः द्वीयाश्रायशा इसं क्या क्या चारशान्य रही। ने भी हे से र देन सन्दर्भ पळे र न दे। 75.यं.रगर.श.लुवे.चि.य.यश्वीश्रायंश्वीश्री 5'5'गर्रेव'5८'ळे'गट'गठव'ग्रे'ग्रेग्रा क्ष्र सें पर्ने पर्न सर्वेट न में सकर के। ब्रुंधी'धुवां दाना मार्सि हो से सामे हो । र्धेग्राययम्बरम्बरम्य क्रिया वेराना ने प्रवासी । ५:५५:मार्शेव:५५:वई:कु:वर्दे:वर्द्धः। हारखेतान्यराचे विकाद्देषार से क्षेता। वियायह्यामिर्वियायश्चित्राये प्रमाय्या धुन्र इं अ विया य न्यया क्षन् न कु न कु न स्वा निर्देश से तिने धी सी दाया है सून वेस्। ग्रे ग्रे म्या मी में माया खुर मार्थे व दर।। हःवर्गेवःविश्वावद्वेरदरः भ्रदः श्रेवायर्दा विनायह्या नर्विन मदे नर स्या थ्रम माने।। क्ष्य. म्या. वर्षेकाक्ष्य. वीचाय. वीचाय. वीचाय.

ब्रेन्ट्रमुः स्वाधिः धिः विनः रेशि विना ष्ट्री'स'स'र्ने'पर्दे 'दर्दे 'द'सळं र'उद्या ञ्चःषी खुवान् : क्वानेवा से न्या । स्वांशरी मुद्देश वेर न दे न या से द्वा इ वर ग्रेश्नर प्रेरिन्गे अळव ने अर्वे द व्या श्रु रेवि सेवा वी नगर में इस मर वहुया। ने निरम्बन्य राष्ट्र स्था रेजिया राष्ट्रेया । श्चन्द्रम्यन्द्रमें अअमिन्यमें अभ्याभिक्षा न्वर्त्यम्प्रम्प्रम्यम् र्वे निर्देश से मार्थिय मार्य हिर रहे या देशा हुन्दर्रेन् सुम्रायायार्थे म्याये दर्के सुवादेया। <u> देशमंदेखत्त्रसम्बर्धाद्यस्य म्यूर्यायः वर्षम्य</u> वसास्रिक्षें से प्रमास्य म्याप्ति । ग्रान्डिते क्रेंन ग्रुवे कुन पुरिक्षेत्र भारा के । र्श्वेन'सर्ग्यून'वर्नेन्'हेर्'स्वेन्त्रम्'हेर् युः सें में अळम क्षेत्र कें भेत देश। श्रूषःने वटः द्वावः नवें सेंद्रः वः वस् व वेंद्रः प्रभा श्रुः वें कें रायि के वा त्या कि का त्रिम्। ब्रु'णे' पुत्यं त र्श्वेन ग्रुं ग्राम् त र्थेन ।

रेगामान्यार्के द्रायां नियान्या । शे'धुय'नरे'श्चेर'यशय'यर्गेर'नश्चात्रा रैयायावराष्ट्रेरा गुःसेर व याया रुटा । नेते श्री मंहे अने मेरान्यान बुदा है।। नन्गाःगुरःशेःखुषःर्श्वेनःगुःवनेरःवग्रेसशान्य।। इ वर वहंग्राश्चित ग्रेन प्रमायन से र वर्षे । ने न्यान् बुद्र हैं हिं श्वापार्वित त्यं विश्वा सहयन्तरियान्यम् । वर्तेरःध्वासाध्यानभ्रुत्यानेयानरःश्वरा डेशाञ्चार्से निराङ्गेयां नवरामिहेर्ये ग्रीशाद्वी नादि सामेन हो नादा हो । युवानी वर्के नर रेवानदे वेतु नासुसामि

## नेगामवेन्नमवर्ने स्थरायास्यानवेनम्ह्रिन् केंग

### र्नेन'गुन'कुण

भेदेः रेग्र्याश्चीं भेद्रास्तु स्थाया यहेत् त्या वित्रे देश्चे द्रा स्थाया यहेत् त्या वित्रे देश्चे द्रा स्थाया यहेत् त्या स्थाया यहेत् स्थाया स्थाया यहेत् स्थाया स्

म्नुःर्रःगश्चस्यीः नुश्रास्त्रवि । श्वादिवाः वीः नुश्रास्त्रवाश्चरायां देशाः स्वादः स्वदः स्वादः स

न्गवःश्रुनःश्रुवाः तुषःग्रीःश्रेनः श्रृन्वाः न्दा दय'न'ळॅ**५'ॲ५'ग्रे**'वज्ञर्ग'नु'क्रस्य वयः कुवः चीः पन् नः सम्भागानः। र्ने नर्गे नर्गे नर्गे नर्जे नर्जे मार्थ स्ट्रेस स्ट्रिस सर्जे न ह्येट्र कें 'ते 'त्र राम्य राग्ने 'हर्ने 'पेत 'प्रभा नेश मुदे बर के व परिमा वसायर क्रेंगा गोरा साम हेरसा पर् ळंत रेगा यो श्रुया यो रा श्रुया प्रोत्र स्मा न्धयः न्रः केवः से अः अनुवः नुः क्रुवा अः नर्गी अः या कुग्रारारेश ग्रारारेत्। नेश गुरे अविद्य गुरिश श्री स्ट में मिर्निया श महिश वयापटानञ्जययाशुःयान दुनाः पर् यगार्या शे तुर ग्रेश र्रें र प्रेविव पर् यगास्याम् स्राम्याम् सर्वेद्र समेद्र में सम्बद्धित्र समेद्र समेद् गुर्हेन्'रेश'गुर'रेन्। कें या वरे वे र्यान्यक है श्राम है म्याय है न न न ग्रवसाया ग्रवस्य भ्रम्भ

धेंव न्व श्री ग्राम्य मेंदे हैं वया हेम हमारें स्थापन रेंद्र र्देखा न्यर प्या क्ष्म हिर नेगर यही गर्य शेर मे। ग्वित्रायम्। नःत्रम्वस्यास्तिः ध्रेम्। र्वेन्'ग्रे'तुर'बर'क्ष श्रन से दु दु मुग्रम संदेश मि दु गुर कुर । हिन के ते न सम्भाभा में ने ना ने निम हुरप्रग्रस्थेर्स्थिप्राप्त वारशःश्रेरःदग्रम् अर्देःश्रेमः इत्या वस्यामिदे होट यो या निया हता पिन्याम् कुरायो प्रमास्याय स्वीत्रास्य स्वीत्रास्य स्वीत्रास्य स्वीत्रास्य स्वीत्रास्य स्वीत्रास्य स्वीत्रास्य श्रे देग्राय ग्रे त्य कु र्नेन्द्रेग्राम्भःग्रीःसत्त्रःयस् अर्देन्श्रायदेन्रेन्त्रेन्त्रिन्यम् केंप्येवायन्त्र

र्वेन् ग्री न्य स्तुन न्य ।

वित्र ग्री न्य स्त्र प्राप्त स्त्र स्त्र प्राप्त स्त्र स्त्र प्राप्त स्त्र स्त्र स्त्र प्राप्त स्त्र स

खुश्याश्वर्तेन्यी नित्रां नित

गुरुष्ट्र शुः श्रेन श्रेन श्रेन श्रम् याकुः वे स्टर्स्ये व्यः श्रीवा धोव सन्दा ८ कुल दे रूट में मंत्रे महेट रेड्ड यास्र सुन्यंदे सर्वे में सर्वे द्वारी ने गावव श्री मह देया हु अपहेंचा पा पहा वि'न'उद्गं कुं वे'न्युर्नि'न'र् ग्वत् श्री अर्गे र्वेग मुन्य केर्य त्यात् र्रिन्यायाः श्रीः यात्रे निहित्र बेशकुषाग्चे'वाकुष्परादेत् सेसाकुषाकुं त्याकुं त्यार देन ष्णाया रदः नेते वे के तद्दे से व क्याया कर यह दे । र्नेन से ग्रम्भ से 'से 'प्रमुदे 'ग्राबुद' क्रून 'इट' म 'बेग' सेन 'अट'। নমমার্ক্রি'বামস্'ম'ন্নিবা'ন্দ্র' क्षु'न'ग्रार्भर'भ'लेग वर्दे दः खुं वा या या या या विवा ञ्चना नमस्यानासर संविना चुर नदे के न エニスタンがおれるが、それにおいてまり、ないてこり थेन् ग्रे क्रिंदरन्य में र मान्व मं परे दे। निव ए से देश मंद्र याव संभिवा से ना

न्यायः नवे : न्यायः क्षेत्रः श्री : हेत् : क्षेर्यः यदे ना न्वःश्चुनाःनोः विवासः श्चिनाः देवः स्वानः वास्ता स्वा नेसस्यो पर्व समानस्य । ग्वूर्प्तरंगे कैंग वर्षे क्षूर्यं धेवा धेव व धरा दगारहेशाम्यादी द्वापाद "मैं या पाद से प्रमुद्र है। मु अळव दे। वैँद्रावानं उत् ग्रे श्रेद्राम्ब व्यास्त्रित्रास्त्र में विवाधित्र मदे श्रेद्र में र्देश हिन्दे पर्क्षिन वह्र वित्यवित सुन्दर थ रटारेग्रायाग्रीन्त्रदेश्याक्ष्यायाग्रीं श्रुप्रायास्य हिन्गी सेन्य भुग्रास्य वर्षा वर्षा वेस निम्न खुर्ग्यायायायायाये हे 'हिरे हेट' द्र्या वर निक्र निक्ष रम्बुर्'स'भेव'या र्नेत्राययराष्ट्रग्रम्भावरायतुसालेशार्वेग्रमार्भेत्।

तेन्या मेन्ययुन्ता देनायाया नर्याति वा सुप्त स्वापिति सुप्त स्वाप्त स

र्देय'द्य'र्त्, युर्यं द्युय'द्या'यी' गुर्यं रा'पेता ने पर पेतर है। भ्राक्ष मारा न्या न्या होता विन'वह्या'क्र्यायांश्र्याकें नदे न्यावर्याने वा क्रायम्कुयानवे विमानवमार्थिन यम्भूनम् निन्ना'नी'सेना'नी स'सर्बेट'न'ते'सेन्'सेन्'सूट्य अं र्हेग् पर्यं अञ्चल सम् कुरुष्यं वे र्थेट विट व थेर'नविवरननरंगे कुषारें हिराक्षेत्र'नव्यायाया हिंद्रांग्रे अळॅद्राययदायदा अप्तराम्या मुखादेश वेरायदा र्ने व त्यवर वर्जे र न धेवा नेति द्वेम विनः ग्रे प्वन्त्वामी प्यन्यासम्भाग्यम कुर्याप्य प्राप्त यो अर ग्रे ने तु प्रतु ते शूर प्रश्र ग्रुट प्रवर यो मुल रें वि र्ने या तु ব্যুস্বস্থ্র वर्ते वे गारश उव ग्रे श्रू न श्र न শ্বন' মন্' নু বাক' দ্বে দ্ব মর্ক্র বা' উবা' দ্বির' দ'বর্ विं न उमायायन्याय हो न प्रते स्टान्न में माया थिना धोव व प्या हिन वे के निम्य महे न्या के विम्य र्नेन्'ग्रे'नेग'ग्वस्थ'ग्रे'र्स्स्य'ल्ग्र्यार्यदे'हेद'सें'ने'दस्य'न्र्ड्रा हिंद्र अवद नेंद्र हो नु रेंग् में इस ने राष्ट्र पर स्था नि

र्नेन्गी'यामु'न्ना

र्नेन्गीःग्रीःन्हेन्गीःनेन्नु सब्दः एका मंदे वर्ते वा मंदे इ बद का नायर से स्या भूमा वर्कें नवे हे नगर में यानर सहिता र्नेवामाणा नेवामी हिन्गी अळव में अवी नन्या यो अमें या का ह्रेग्रायाटा सुराग्री सारेट्रा क्रुं संक्रव दी। हिन्दे सासदे या हे सा स्वा हिया धेव रा प्रतः स्रो ग्रन्थं न न स्थान हिन् ग्री अळवं या नेवा वि वे न नेवा अनाया स्रेट त्यवट वर्जे र न स स्रेव दे। वरेमा विर्वेशहिन्यर्नेन्गुन्युन्यर्ग्ना ग्रामां में स्थान के मां साय से प्रमान के स्थान के स्था के स्थान क य'भेता षार्जे। यदे वर्षे हे द्राप्त प्रयापा न्यां ने सूर यहत परे सूर सूर सूर नेश गुदे ग्याधुर दूर में दे से इस सर कुरा या धेंव न्व नग्ने अ ग्रे म्वा अ अळव न मुन्न प्र श्चे किंग्यायायम् प्राये भ्रोति। ग्राह्म उत्रेत्योः नेग्राम् मुत्रा यदे ते हे विगायग्राम् वें क्रें कें ने पे अळव यहें हे नग्नि रा बेरा

से पर्दे ते शुः विगा धेत त्या गणुयः देनः वह्याः यः नमयः नवेः नमयः श्वां वेयाः सेवः वस्रा र्नेन्यान्यारुवाची न्यान्याचिन्यान्या कुन्यी वनः त्र ब्रेट या द्राय हुया शुक्ष दुः ये दाये विद्रा कर्ता न्धयः न्दः श्रवः याते कुः कः वयः नगरः धेवः ने। हिंदाशिद्रायम्य स्वर्धित्रम्य हिन् ग्री अर्द्धदायान्य केदा बना वेना प्राप्ति श्रुवासाया श्रुवासा रेग्राश्चिग्रावर्षे नाम्यास्यास्याची कुःसर्वे त्यास्र्रीय तुरा हिन् ग्रीस वर नदे यु ग्री वेरस नहेत न में स पर न ने ने हिन की नने क्रिन नम् इत्यो यह की या कु अद अव स्था र्रेटिश खुव ग्रीश न्त्री खेला न्या के वार्षिश न्या के वार्षिश के वार्ष्ण के वार्षिश के वार्ष्ण के वार्षिश के व नेशः गुःधे द्या प्रदे निरः त् र्याद्रशः क्रुश्या ग्री वित्र दि देशों निवि क्रितायम् निवानी रायदेनश र्नेट्रियायायी:याचे निहेट्रा त्यास्त्रयायी:श्रेट्रावया वर्ते वे मन् सन्दर्य प्रमाहे सावह्या नसूरा बेदाया हिन्दे वित्रम्य वर्त्त भूव भूव भूव भूव भूव भूव भूव भूव भारत है वस षर षेर् पाया थेता था বাইম'ইন'বী'ক্ত'প্ৰা हिन् ग्रे म्हान विश्वासदिव सम् सर्वे व स्पेन ने।

स्तिः न्वनः सँ न्वनः चित्रं वी स्वर्धं का त्वुहः न्वान् वी स्वर्धः न्वान् वि स्वर्धः न्वाः स्वर्धः न्वाः स्वर्धः न्वाः स्वर्धः स्वर्वयः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्वयः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्वयः

# **म**न'यअ'र्झ'

द्वे'न्यस्य प्रवे'न्हे'त्रस्य ग्री हेग् खेन्सर्रेस्स्य सुर्ध्य सेर्न्य नवे न्द्रन वहें न शे ने से हो — वे ज्ञवे क्रून वर्ष न शे साम के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के त्रुन के दं त्रा ग्री कर कु पी रायहिया से व्रुराय के दि से यह नर्या ग्रेम्द्राययाद्यार्थिने नेद्रा क्रुयळवादी म्द्राययाद्यार्थिने देप्तिपा यासी स्वर्भावसासी स्वर्भा सम्भागम् दुर्गे क्रुमाग्री विवर्भा हे सामग्रहा यश्यन्त्रामां विवायसम्बन्दिते सेटे न्याववा पित्रमन्त्र नगयः ळेग्राके लेट हैं या नाम होट प्रेंट हुया कु हे प्रमुख र में लिया मह यसप्तेत्रेत्रेम्द्र्रास्य स्प्रिंद्राम्य स्त्राम्द्राम्य स्त्राम्य यात्करांप्यत् श्रीःश्रूरानह्र्यां सर्भितियान्यरा सेन्नु त्वकरार्देर्याया न्दा नहें न् श्रु शे में अर्थ ने वे मान्य कुन् श्रु प्रशेष कुन् से बिया दे रे र्वेशायहें व की तु या न कु द दे रोशंश्रा की योहिट दह की किया के श्रा वाश्वराश्वरात्राम्यायायायात्रेश्वरामाश्वरात्रेरात्रेत्रात्रेयात्रेया क्तरं वर्गा भीतं पुरे रेरा नवे यात्रवार्षे सेवि रुषा की यात्रवा कुर के या रेरा भ्रे म्रेन माने के जिया में इन में विनयन मन्त्र माने क्या माने क्य

सेसस्याही सुराइदायाधेदाद्या विश्वान हा सेसस्याही के स्वाह स्वाह से स्वाह स्वा

ख्यान्य स्थान्य स्थान

यदः भूषाधितः वेस प्रमादः विषाः मेश्राः स्वारः भूषाः स्वारः भूषाः स्वारः भूषाः स्वारः विषाः स्वारः विषाः स्वारः भूषाः स्वारः विषाः स्वारः स्वरः स्वारः स्वारः स्वारः स्वरः स्वरः

न्त्रक्तिन द्वर्यश्यी किया हिन्ने रान्ते से स्थाय प्राप्त प्राप्त प्राप्त वरासें विया यवया या से यन्तर सार्यों मार्से विस्तर ग्रामा नास्त्रे पर त्रम्मरायस्य संसे निर्देशसे गायसंत्र ग्रास्य सी से रायक रार्वि कु मळव दे दे दि वि "यार्यायम् राप्ति विगायायाधीता कराय विभावे से द वननंभवे हेत् विवाया दश बेदश दर से र देश हिवा हिर हे र केंदि श्रे'यन्वर्गाग्री'म्नर'यस'स्'र्से'ने'नेन'व्रर्गार्सेन'यूर'र्सेर'व'येवा मर' यं या सार्थी है है है है वह है यह है यह है या सुर है की है वह है यह है या सुर है है वह है यह है या सुर है है वह है यह है यह है या सुर है है यह तै यह तै यह तै यह है यह है यह है यह है यह तै यह है यह है यह है यह है यह तै यह ह हैव ने र कर ने श ज्व रायर नहेव श्रुवा ने वा ने श्रुवा से र देर वर्ष यं यं प्रीय शी हे तु ने वा या इस्यं प्रेस्त विदा वह या या इस विदार्वेद वर्से न न न वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा न न वर्षा वर वर्षा यःश्रीवाश्वाराः करः द्वारायह्र अपिये विवासा प्राप्त विवास गर्थे विराधेर प्रश्री रे क्रेर र प्रमःग्राम ख्रिं प्रेष्ठे ख्रिय र पेर मंदे मद्रायम संभेति यदर श्रेंगा मी द्राय में ल्या मार्ट्र माध्य द्र्या गर्भेन भें निग वधुग श्रेम छेन भन्द अन्य माने नि ने मने नि रदासाध्यायादावादावदे वत्त्रासा विवा वर्षे सा सेत्र तु भ्रे सा देदसा सा ८८। म्वरमेविक्सस्य ग्री केवा हैं दिन दिन दिन से कि स्थान स्था वर्ग्यायाने रामिते व्ययास्व पार्शेव में ने रामित व्यामें सक्त मार्थे वकर श्रूट श्रुकें तर श्रुवा मह विश्व श्रुवा निवाय श्री विवाय । वे खुः से 'न्र ने रुषः मंदे 'दर्शे 'न ग्रांट 'वेग 'धेव 'व 'धर' है 'स है ने श के '

नःसेना गणरःगावसःनदेः ज्ञाःसे प्रदे स्थानुदे से अवशायकानिनः कुवे क्वें क्वें अपाने के क्वें के का की दूर या अपी के ने वा के कर हैं। र्देगा डेट या ग्राचर या प्रमाया स्वर्थ प्रदा सेट से प्रमाय स्वर वरिवे र्वेग मुन्मर हे अ नर्गे द सवे गावव को देवे र्वेन अ स के वर्ष अर्वे विरःश्वेरःश्वेनशः छे प्रदः के नाप्ता बेरशप्तरः सें रः प्रश्नास्त्र प्रदे पेतः वर्षाने हे 'वा क्षेत्रयाप्रवे प्रवासे पे प्रवासे है के कि कि कि विदासे मा कुरा के वह वे मेह ना विया मेह अहा। कु अळव दी। यावव के हे अ के वे वे मुश्रार्थियाची त्यसंन्द्रार्थितिर्द्रिन्द्रान्त्या नुसदार्थिते स्वासाया देक निवे वस निवास सहर्भारेता धेवावाधारा विरामी शारा कें त्यान्यवा विदेश यानेनियारिः अपरायानवनात्या वातास्यो सक्तास्य स्वातास्य वर्देन'सर'लें कुरावसेवावर्शेरा ग्रे कु'ग्लार केव'सेवे' ग्रे संवे वर'त् श्रूरामानेन विवासेन ग्रीसि स्रम्याल विन् कें नमवर्गेरामिन मंदे यसर्विने रायायमा नमयः विदेशसम् हे रान्तासक्त सूत्राया श्रॅंशःग्रॅंशःन्द्रंगश्रायःन्द्र्रं शे.ग्रेन्यःयः वन् नःन्द्रःयन्दरः श्रूर श्रेमश वहें व देव के प्यून हिंद श्रेश मावव श्रेश नहें द प्रवेश या व्यायान् मुनानविषा है "वाववा से "वाववा से मुनाम ने के "वे यान से ने पान के न र्शित्री भेरायार्या भारति विष्या भीरा हिंदा हिंदा हिंदा है । याम्यायायार्थे से विवासायिवायायहैं वासाय्या धेत्र ताया विर्देश विः र्रेट अट रेवि नेट या यय स्वर पर्टे कुं हे के न्ट विन हे र्रे अ विन हे र्पट्या शुगार्ने दाया सुनामा ने हो दार्के वे दे कि पी न मायेया ग्रीनवा

शेवे स्नेव हत या या धेवा विंद र्केश द र्केर यवगा यवे मद यथ सार्श वर्ते वे न्द्रान्ववित श्री त्यया न्यू या या विवा या धव हो। व्यया स्वत वर्ते या र्वेर्'ग्रम्थ उव्यो ग्रें क्रु शर्वे ग्रायर नभूव हे रेग् रूर ग्रें रेग् रेर् रेग्य वर्रेक्ट्रेंव्ट्रेंव्ट्रेंव्ट्रेंक्ट्रेंट्रेट्ट्रेन्ट्रेंक्ट्रियान्य क्रियान्य स्ट्रेन्ट्रेंक्ट्रें श्वां रामें निर्मेर हे वह साम्नेर मी प्यर हे तया विस्माने निर्म ने वंशन बुद निर्देद द्यार नेंद्र ग्री रुश कुट इस्सार कुत्रास कट पर न्यानिया विवालिया क्षेत्र क्षे यसर्विरेंदिरमरसा वर्ष द्यवरेंदिरसहरहे सर्दरसळ्वरसूत यासेसान्स्यारान्द्रिं ग्राम्स्य स्वारान्द्रिं ग्राम्स्य स्वारान्द्रिं केंद्रे पार्श्वर पार्ने द ग्री श्रेद श्रेवर पद स्थापर सहदर्श ग्री श्रें ग्रीराय र्श्वेन र्श्वेन राजेन प्रत्यायन सेन्य सेन् वर्षान्यवर्नेविःसद्दाहेराह्याह्याह्यात्वाची सेटायरावर्ह्वियार्ध्या श्रीरा ঠ'অ'শব্য

द्वे से सस्यादे भू र इत् प्रवे या वाद्दे र के या या स्वादे या स्व

श्र्या संविया या राज्य पिता

न्भुगविरायमान्। भ्रेगमायमा मित्रायमा मर्के यमा मश्रा टार्केंदे'धी'रेगारायरे'ट्रट्रार्नेट्रच्रेरार्वेद्रात्र्याम्टाययाद्यार्थे वर्दिते र्चिम् पुरस्सार्या निष्या सेन्सर ग्रीस वर्षे विद्रासके स्रा दे। यस भ्रेन् ग्रे भे ने वे ब्रु अ विमानेना मिन मी अनह्व छैन नहेन परे विनश हेशमद्रायस्त्रेर्प्तर्गेद्रप्रद्र्य "त्रुस्यायासूत्रस्रुस्रहेदे "वेश मदेगाश्रूरमी श्रूप्त ग्रुप्ता मरायया श्रु से विष्या पर्मा नेवि हे श शु हे ब्रह्म पवि से हो हो नहुन पा निमा ने हा "हमो पह्ने प श्चन्याश्चायकेर्द "वेयायदेःगश्चरःभूनःने स्थायेःगश्चरःन्रावेः ग्रेगि'हु'वर्डे अ'रा'न्ट्। ज्या'ठेवे'भून'न्ट्र गर्बेट्र अ'त्रा'त्र व्य गिर्देश ग्री ग्री राष्ट्र में देरे "केंश या क्रेंनिश खेळेंदे" बेश सम ग्री म र्शेट्य ट्रिस्य विटार्के यानश्या र्हेदि कुना सनहेद अदे हेद गावे पेट् र्बेर्। देवःग्रीटःमटःचदेःवरेग्रयःवहेग्।चश्चरःयःवेःमटःवयःयःवेः 95.751

श्री प्रम्म प्रमान्य स्थाने स्थित।

वें विगाया कर कु विव हु वें न प्राय कु वें गा चूर है मह यय स र्बे पद्रे पिः वे क्षु के उत्र न् निष्ट के द्रा पायक मानि विषय स्व पद्रे याश्चरार्श्चेताचेतास्मान्यास्मान्याः महायसायदेशयाचेताचेताचेता यान्व थर्य स्वाद्धि हिन्दे वियो संहे वियो यो या साहि विया हे न वया मह ययाद्यार्थि वर्ते न कुन्यमा कुर्यमा मीर्याम् वर्ष्यान वित्रामिति हिते कुमा विगा तृ श्रूर प्यार श्रे नर्शे दर्शे पा रावे व्या श्रव विगा नर्हे द रा प्रा ग्रिंव रुषा शुः शुः स्रदः प्रदे । स्रदः प्रस्य । स्रुः । स्रु न'वेग'र्'यूर'र्शेट्। भूनर्भादेर। र्शेश'द्रश'र्यी'म्व'र्सेव'र्केश'र्भूर' यरकेंगार्सेन्छेन्यमें नस्यमार्थेन। तुमार्थेन उत्तर्भेन्त्र म्नेट कट्टी सूट ना सुन्टर राज्ञीयाय ग्री होत स्वयं सुर्ये संयय प्रि म्बर्सि व्यास्ट्रिंद्रम्बर्ह्स्यो हेरायत्रम्या रेप्यायायास्य हैं त'रार्श्वेषार्था ग्रेर्श पाठेषा केषा पाठेषा पीरु प्रपापा तयर कुथ सथ ग्रे भव दे प्रति मा श्वा यय पर्ये न विवा वी या वि के वि वा न य ने के म वर्षः "विन् र्वेदिःम्दाय्ययादिःगुःर्नेषाः प्रयायायायाः म्यावावः विः राजन्दावः विः यानुमा विषानेमानाया म्वामेंवाने म्याया ग्रीया ग्रीया विषा हा "है" वेना वर्ने मान्न न्दर्व श्री कु त्यस धेव नस्य साविस माद नर्मे स्व यारासहें नुन्त्रशायके देशाने ने "बेना ने त्रशान बुना मानायसायने" मुं के रु महिंद सेंद सम्बद्ध स्था मुद में द सम्बर्ध में के मार्सेंद से শ্বস্থ্য সান্ত্র সাক্ষর সাক্য সাক্ষর সাক্য সাক্ষর স नरेट्यायर्ग्या न्या यदे या रामित्राम्या स्थान्या मुया

पिनः श्रीशापितः पर्देवः पर्देवः सदेः केनः न्यू न्यान्यान् स्यान्ति । सदेग्विनः यस विवायसमान्या वाव्यायस ने म्यायस की देवा हु खेंद्र हैट कु यर के में द्वारा देव ग्राम में के देव के में प्रमेश में के में प्रमेश में में प्रमान के में वर्षावर्त्ती नाल्या नाल्याया नाल्याया वर्षा व्याप्त वर्षा वर्ष्ट्रायिं में व्याप्त वर्ष्ट्राये के प्राप्त वर्ष्ट्राये के प्राप्त के प्र श्रेयांश्रायिं राखेंदे रियाश श्रुरकें याश तुरावशा श्रीयाशर श्रीयाशर क्रम्भागीमान्द्रात्ममान्त्रात्में स्वर्णेन विवासमान्त्रामान स्वर्णेन मुनः हु । सुनः नवे से । स्या के नः न न न न न न स्या सार्थे । यु न न साय में । विरायर्ग मिरासेंदेश्येययाया ययाके यराया वरायया वेदिःरेग्रायायात्रेवापायेवात्राके नाम्या नर्जेरायगारेरायायावे निव हिर्मार्थिया या या या माराचा वा निव है है से देश है या वी सह या भी । नर्देशशास्त्रेशाचे दाभूनशावस्याकशानमीयास्यानमाद्राद्री में विष्र समित्र न्य कें ना हें न निना में विना यह सामा निना विनाय निने वि सुरुष्युःहे केर दर्गे विट पार्य

दम्द्रात्त्रभाद्रम्यम् स्थान्त्रभाविद्रायम् अस्य स्थान्त्रभाद्रभाविद्र। स्थान्त्रभाविद्रभावि

### **ਗੁ**'ਜੋਂ ५'नर'ग्रे'अइत'यह्न

र्नेन गुन कुण

कुःस्कुःस्त्रेःकुःग्रिशःग। कुःसर्गेःस्ट्रान्द्रशःकुरःप्परः।। कुःग्रावृदःकुःद्रशःकुशःहे।। कुःस्कुःसर्केरःस्ट्रेशःसेटः।।

नश्रेष्णभ्रदार्थे न्यान्य स्ट्रा । स्ट्रास्य स्ट्रिया न्या स्ट्रास्य । स्ट्रिया न्या स्ट्रिया न्या स्ट्रिया । स्ट्रिया स्ट्रिया न्या स्ट्रिया । स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया । स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया । स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया । स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया ।

कुः क्रुवः बदः यं ये देन । कुः से स्टायिस्ये या बेदा । कुः ददः के देने यो यद्ये या या । कुः ददः कुः ये दिः हृदः कुं या । केयाकेयायननामये सासु । सहयस्त्रस्त्र नित्र नित्र मेर्था । मुर्शेम् श्री कार्सेम् । नग्री ने साम के मेर्था के साम के मार्थेम ।

र्थे मुरुष्ठ रेदि ग्वाब्द श्या । न हे दि स्थ्याय गुः तस्य या । यह तः यह व दि यह व दि या । दे राष्ट्र से से स्था प्रमान या ।

### বাইবা

भे'स'र्से कुर्यानुद्रासे । नव्यानुद्र्यानुद्रासे । नव्यानुद्र्यानुद्रासे । नव्यानुद्र्यानुद्र्यानुद्रासे । व्यानुद्र्यानुद्रासे स्थानुद्र्यानु

> नर्ज्यं श्रीयान्यं श्रीयान्यं श्री । नगर्ग्याययान्यं श्रीतः ह्या । भ्राचेया ख्राचेतः भेरामेराहे। । सहस्रम्या भ्राच्या भ्रीया स्त्री

र्शेट्ट न्य क्ष्य । व्याप्त क्ष्य क्ष्य क्ष्य । व्याप्त क्ष्य । व्याप्त क्ष्य । व्याप्त क्ष्य क्ष्य

कुः तें न् पाहे व खेः राजें व ।
यः खुन् से न यम् पाहें न न स्या ।
से मे वा साम प्रमाण है न से न से न सम्या ।
हे व से न से न सम्या स्वा स्था से न ।

ख्याने वार्श्वर्या स्ट्रिंग्स्य स्ट्रिंग्स्

स्रायतः त्रः हैं हिंद्या है मा ।
स्रायतं के से दिनदः विद्या।
स्रायतं के से दिनदः विद्या।
स्रायतं के से दिन्य हैं से स्राया ।
स्राद्य स्रायते स्रायते हैं से स्राया ।



युरःमें म्यूय्यात्रे कुर्यः वित्रा । स्रावदःषःहे स्यायः स्वरः स्वरः । स्रावदःषःहे स्यायः स्वरः स्वरा । स्वरंपः स्वरः स्वरः स्वरः ।

हर्गिःहें देर् सेर् स्वा सर्से हें क्ष्र्यः सब्दः स्वा कुर्नेर् सब्दः क्षेत्रः सेर् स्वा बेद्रः द्वु हें क्ष्र्यः क्ष्रेयः सेर्

श्चित्रश्चित्रः श्चित्रः श्चि

सुःसेन् वर्षेन् क्षेत्र क्षेत

बिट्र अः गुः निविधः र्षेनाः या। । द्रमुष्यः ग्रीः सुपा अः सून्यः निव्यः निव्यः ग्रीः सुपा अः सून्य निव्यः स्वा स्वर्थः ग्रीः सुपा अः सून्य निव्यः सिन्। । से से देशे पार्ति अः निर्मा गृज्यः सिन्। ।

में शके द'न्र-मी: वंदेन। प्रस्थाने से प्रत्ना समास्त्रमा। कें ति से सुद प्रम्प्त से।। वार्देना से से स्विद से हा। वि'निज्ञास'न्यास'नि'र्सि'र्सिन्। दे'से'से'य्द्वा'स'नासुन्स।। वि'न'ठद'र्सदे'नसस'रा।। व'नज्ञास'यस'ग्रह्द्द्रास्ता।

हःवनाः सः निस्तिः । र्वे स्थान्तिः निस्ति। र्वे स्थान्तिः स्यक्षः श्रीया। र्वे स्थान्यकाः ग्रहः विस्ति।।

#### বাঝুঝা ।

सहत्रसम्भन्न कुः र्ते 'भेन' ग्रह्म । नत्र स्थान स्थान ग्रामा ग्रीम । कुः श्रेन माने ने स्थाभेन ग्रह्म । कुः श्रेन सहमान कुं श्रेन्द्रम



सहत्यम्बद्धाः स्वाप्ताः स्वापताः स्वाप

रेव के व्याने र श्री श श्रुवा पदि। । ठव प्रविदेश के स्थित है प्रविद्या । कु में प्रश्रुव पदि के स्था । यह यह स्था प्रविद्या प्रविद्या ।

# ষ্ট্রবাদান্ত্রীদেশনা

सर्वेत्रसंवेदां भाषतः नुत्रेद्रसः शु यर वेरिंद द्विष्य श्राप्त हो। श्चेत्र'न्गर'ग्रे'त्रन्य'स्ना वैग्रां रावे क्रुं मेर्या प्रार्थित्या या शिक्ष क्रिया विष् कु'यहें व'ग्रे'गर्वेव'त्'र्। के ने र की र वाय अर्दर द्यार दें अर्विदर् ररमो 'यर केंदि'न्यर यन्र राजे 'नमार दें या निव न्। न्रार्सेग्रायां अविदासवदासहें सामराम्बुदायाद्वा ग्राम्यारुवासी प्राप्तिम् सळ्र सूगा गो हेत से गासर मा विगा से नस मिर से त नह नह न नर অ'ৰব্য नशेयाः धून श्रीः विः नदेः वे दिन्याया न्त्रो येग्रां ग्री न्रां क्षेत्रं ग्रायमं प्रांविषा क्षेत्रया प्रदे प्रस्ति प्रस्ति । নৰিব'মউশা क्रें विट नगरमा माने मानव न ही दर्भ शा हिन दे में यन्य र हिंद सदे ख़ु से विया न्द व्य न्य यर विर र्या निवेश्वीं सामित यहेगा सामित हैं ना सुर निवा

ग्रंग्रंग्रं वित्राम् मिर्गे क्रिय्या के प्रति प्रति प्रति प्राप्ति प्रति । वित्रा नर्हेन'ग्रेन'र्थेना ८.४८.स.लेज.ये.३.४.४८.२.जरश्र सहें संस्थानी तस समिते कुर कु हो द से दस रे दर मिं रूट में अर्के र्श्वे द से दे अर्के 'द्रम्य र 'द्रमे र र द्रम हिन्गी मा बुमारा नहुन त्या निना क्षु होन् मेनरा नेना नन्गामी विकुट सेर्गा यस न् दें सकर ही निमे से समार्थित से सू र्क्षेग्राराज्यात्र्यः विद्राराज्या न्वर'विट'र्देट्या कु'वहें व'ग्रें में व'सें पा श्चेत'नगर'ग्री'यन्न'स्र होन्दि न्यान्यया हो निष्यु । स्वाप्ति । स्वा शेरिग्रांगी'नरे'शेर्'णर'नेर् न्धेन गर्यस्य में निमय पेंत यहें त साय भन न्त्र हिन्दे दससम्बद्धाः हैना विनान्दरद्दानम्। गर्भं उत्गी अर्थे श्रूरं या श्रे श्रूरं या ग्री द्वारा या प्रित्र या श्रूरं या प्रित्र या श्रूरं या प्रित्र या प्रित्र या श्रूरं या प्रित्र या

नशेषाष्ट्रवागुः पुषानु न नुन्नविव नुः श्रेषा के अन्ता यरकें 'थे' सहं रापा बुदशःवियाःयाश्रमःसंदिरः इस्राश्वेशःयाश्रमःसः ष्यमः हिमः विदः स्मि न्वर्गम्यस्य में न्यय पेंद्रस्य मिवे य भरन्य हिन ने प्रहत्र कें न ही नु से बिया न्य प्रमा नशेषाष्ट्रवाशेषळे प्रमान्त्र रम्भी मुन्नविव मुं श्रेषा कें या है वर्षा र देया र देया र दिया परमा त्राग्री क्रून्या बेट अर्देन अर्वे र नहे न्याया प्रदेश वर्षे या प्रदेश वर्षे श्री मुस्रमायायर्के निवे में निवान न य्यार्थेवायो यसर् सर्वर् र्यु वन्त्रविद्याः भूतियाः मान्द्रभूत्र भूत्र ग्राह्म स्थितः ग्राह्म स्थितः ग्राह्म स्थितः ग्राह्म स्थितः ग्राह्म स क्रूँव गशुस गुन्य पेंव संग्वे के प्रमान रहिश हिन्दे दे व थे तु से विया न्दर वदा निया वें वेग्रायायायी स्रे सामर्थे न वे विन्तु। न्यो ये या श्रा के स्था से मा स्था स्था मिन मिन मिन र्दे निवेद श्रे कुर पर निर्मेर राज्या नग्रन्थियाग्री देशेव नवर श्रेन् ग्राश्वयाग्री हे से र र्श्वेग पर होना न्नान्ग्रन्तिंग्रास्य शुर्साय द्वे स्वःवहे त्र शुः यद्वा साधा हिन ने भ्रेन्त्र्ये र्योप यो या तुर वया निरा

वर्त्ती नदे थे द्रा ग्री सामा ने द्रा বাঅ:श्रेन्। होन्। हो न असः वातृत हो। सन्य वतुन वून। कुं भी म्या स्व भी ने ना रायदे न्य कुर सा सुरा रायदे न इ'र्राहें नेराङ्गे से बुनाया वर् निर्मान्य मेर्सिन से स्वारित । ठ्य ५८ छे दिरे पाश्य अप वर्त्ती निवे श्रेमा में वर्के हेते प्यर देव से द द वर्त्त निव से द र वर्त्त से वर्त्त से वर्त्त से वर्त्त से व देवे श्रेम हिन्दि पहें या हे व या व अ अंदि या वि अ न्ना वर्गे न वर्के नवे न र्रेग ने न कु'यहें त'ग्रे'यन्न'स'यग्राम्य अन्य रेन्द्र द्रान्य न्या स्त्री अवस्त्र या विष्टु व्य सी या स्त्री र स्त्र स्रापतः न्रेट्र सःशुः कुः नः नृतः। श्रूनशरें र्र्थाश्रीपत् ग्रीशने रत्या ग्रीत्र परे खुष ग्रीशहे ह्रादर श्चेन'यर'तुन'या यव ने माञ्चर कम ने अने अन् पर्दे पर्दा सक्समार्म्याकरान्तिःन्तिः द्रायननामा त्रुग्राश्विंशासिक के तारो नामिक से मानिया करायसे तासा ना धीर रामाय मित्र के के के मित्र मित्र

भूनर्भाभूनर्भास्य भूनरातुन्तुन हु बिटा सक्समासक्समासुः द्वीत्र मानु दे प्रत्ये प्राये प्रमा हिन्दे कुण प्रसम् हिंग्र सेन्द्र स्वीसम्बन्ध वर्त्ते, युष्ट्रेय तस्रिय तम् स्थान 3 हिन्गी क्षेत्र केंत्र ही अन्य न बन त्य ग्राधुःद्रव्याचीः चिद्धः सक्रेशःया होत्रंग्रे हें कें अ'ग्रे किर नवर वश् ग्वायाम्या मुद्रास्त्र स्वाया र्यापद्दित् ग्री प्रदानम् त्रम् श्री यानस्याने प्रदो निमानिया प्रदे प्रया 当2公公司 मिं निर्देशिषीन त्यान हे व्यव ही सामान्या सर्वेद रेदि रे र् र् र् रूप रेदि द्याश पारमारादे वरमार्दरके नदे सके निरमा हिन्गी नेपा नु वह्या मदे वया मध्ये अवहुन मदे स्नून अश्व नन्गानी थेन थान्य निमानी साध्या नन् जुरा श्चेत्र'न्ग्रन्शी'यन्नास'ते 'नते'ने 'न' धेत्र'मं 'न्न' कुंपहें न शें भें न भें ने प्रेंप भें प्रेंप भें प्रेंप भें प्राय अपिया

शेसश्ची सम्बा वर्के नियम निवा विवास निवास न

### गाक्चरायेगसाम्मरागुसागुसाने प्

र्नेन गुन कुषा

गापिः र्रेनियं प्रेनेट्यो म्बिन् नु प्रमाय। गाःशेःसेटःचरःचक्षेग्रयःभवेःहेंस्यःवःद्याव। गाः हैं अ त्रे अ तः भीतः हा ये न अ से द ग्राहा गार्ट्से से दावा गार्चा या से या हुवा। गा'भे' बेर'रा'गा हैं स'सर'सर्वेर' भरा। गानरर्द्रानदे कुळळे अः हुरानश्रा गान्यान्यान्यते नयस्यान्यते ग्राव्यस्य । गाः मुद्रापिं त्रारो अस्य यात्रसः देने द्रारा श्रुरा। गान्त्रेटार्डें अपन्यस्पर्दित्वात्र्यार्डे अपनित्रा गाःसर्स्यसः दुःनद्वः ग्रीसःनश्चेग्रासःवः परः।। गान्त्रमान्वेदारुष्ट्रम्यदेश्वराम्यानवेदा। गा उदे श्वरा ने गार्चे न पदे कु र वर्ष गाः नुरः यहं वाः यः शैवाशः सर्दे वे र वहें द र ग्रेश। गानिते नु त्रद्वे आवश्यन्य स्य स्य नु नु नु स्य म गा।विदे यावरा त्या हिंदरा राज्य वा विदे या विद गं विश्वस्तर्भेत्रः भ्रेत् चेत्रः स्त्राया

गायाभेरागवेर्व्यस्थाकृतेस्वर्वे सर्वे गाः भेगा रुषा विगानिषा पारा विग्रा श्री गाः गुरा। ग'र'तु'रस'सदर'ष्ठिट'शु'धेश'वर्चेट्।। गाःसात्यःस्यासासीरामीः इसाम्राम्सामीरा। गार्श्वेदे शसूर निरास हैं र सुमारे श ग्रामा गाःधेवार्देर्ग्युश्चन्त्र्यान्त्राय्या गां हे गांधी कुद कर देंबा प्रश्रा है।। गामिक्षेषे में न्यो स्वाप्त सहिन्दा। गाःसेरःस्रुवाःवीःश्रस्रुत्ःसरःवस्रेवाराःस्।। गाःश्रीमाश्रास्त्रसास्त्रदेशमाश्रीमः श्रीःसिमः साधाना । गा त्रस्य प्राप्त स्थात् स्थात् स्थात् । गं'सर्उ'भे'सूत्राम्पराम्बराईर्। गा'व'गा'धे'सर्देव'न्द्रेन'कुष'सळव'सहंशा गाःस्याःमञ्जूषाःमधेःषाः विदःशुःमवेःषा । ग्राम् द्रे स्वेदे हिंगामी श हे विगा ह्या गार्गी यं रेजिया सेट मी सर्देन नहें दुः इसस्। गाः श्रेंदे : ग्रुश्त्र अप्त अप्त ग्रुट् प्तर्गे अप्ये अपे : ग्रुट् । गाः भर हे से सके वा मुंसे से समा । गान्त्रस्यदेशस्त्रम् क्रिन्या

गाःसंस्थ्यायाञ्चाताः विद्यायात्वया गामिते त्राभान्यम् अस्यम् पर्मे न्या गाःशेवःविवाः तुनाः तुन्यः द्रशास्य। गायो नरमी थे मेर्नि दिन्। गा'न'यदे 'वे 'मारश'उव'व्या'व्श'ह।। गार्ट्से प्यदापाना उत्तर्भावेश। गामिते पत्तुरामिरकार्रे सांके पत्रे वा निर्मा गान्त्रः में दाया यह वार्ये यह वार्या देवा से दा गानवे अर्दे त अर्दे द के अर्थे । प्रदान वर पर्दे । । गान्यान्य व्यान्य व्याप्य व्या गानागर्राध्यायेर्ध्यये केंद्राया गायो देर रम्बर्ग र्या गुः शित्र के राधिया। गाःश्वाशःग्वादाश्चेशःवीःवदेःश्चनःवर्गावःवशा गायार्ट्र सेट्र प्रदायम्य स्थित्र मान्य स्थानित्र मान्य स्थानित्र मान्य स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र गाः संभित्रे सः नविन् यान् ग्रेन् न्रा सर्द्धन्य।। गानर्देन्धेन ग्यान ग्रान श्री राजा नि ग्रामियायार्थरःश्रीरायग्राम्यारः यह दर्गीरायार्थेन।। गान्स्थेव गुरळ न्दर वर्षे राज्य 

## य'र्न्न सञ्चित्र'निवेस'र्न्न प्य'र्म्न सञ्चित्र'निवेस।

र्नेन'सून'कुषा न्गुव गशुस गूर हुर ख्र नियं के लिया सामा यानवः सुदः नशेषः विदः वयः सुः भेवः पुः मदः।। रे नशुरु हे से पिन न नगर में अ नार्धे नशा सिर.योश्रेश.के.सेंब.केश्रा.योट.टेर.योश्रायोधेशश्री इन्दर्हेश्वराध्यायन्यान्यस्या मट लया श्रें श्रें न कुट क्षे निर लें ने न विग्रम्प्रेनेने नवित्र श्वेत्र ग्री अस्य न् श्वेन अःग्रम्। वैं कुट वे अपवे यापा पा नगर अन्यिम्। नन्गामी सालगा मालसुर लसुर हो नाने वात्रा मट लया झ र्यो दे द त्र या क्षेत्र या या प्राप्त के दि । र्श्वेत्यःस्य न्याः भिष्यः स्वार्केष्ण्यः यते : श्रेतः द्वा ख्रं से अया न वर के मेर ख़ुत चुन से न सा नन्गंन्द्रवहें वर्ग्याचियारांदेर क्रिन क्रियाश ह्यश्रा गठिगारे गिठेशरे गुरुष्ठ सर्वेद्र सर्भ स्वेद्र । 37 35 र्क्के. युर्ग्य निष्ठा में स्वार्थ में मार्थ म

विरापार् प्रदेश्वर हेना खूर देर वेशा धुरसेरिषाधेर्विरविरावश्यावश्यार्वा ष्यापायन्यायी त् ते भ्रायाय बदावे।। यस्त्रम्द्रित्त्र्वाया सन्तरात्रेशमाध्रुवः युनादे।। ग्रन्थें न्वें न्वं व्यवें अःवेन्वें या कुषादे अर्बेट वसायद्यायी साग्रदा। व्यंत्रं दुः देवः विश्ववः षदः।। सर्वशः कुषः र्वे खूवः युवः या क्षेत्रामिक्याम्बद्धर्म्य स्वा मिं ते 'स' भ्रे रा मुल' में 'न विद्या श्चेंन अदे दिन्द न्य की । र्वितं ख्वाष्ट्रितं श्रुम् । नेखन्दरखुन्त्रम्माकुन्विद्या म्बर्धानग्रम्हिष्ठि गर्वित या के राहे या कुगा गालु। यधेशयनत्रं याचिताः भू। याधियान्त्रन्त्यक्रियायान्त्रेन्या। न्यो क्वर से निया र से या राजी हो ना र्श्वेन विन से अन सेन से हो।

सर त्यः के या या हे या त्यन स्वा कुँरायातिःकुँरायदार्गाः नदेगा ८.क्रु.जु.क्ट.चुराय.क्रुरा वर्ने भी मुन कें न कुन नु कें न रू नहुरानर्डेश्या सुर्शेत्रावेषरं से न श्चेरवर्डेर्यायम् शुः यर सेर्। वर्रे क्ष्रर में न्याय कुष में व्या श्रेभुगःश्रेगःकगशःशुःवेगःर्धेन। भूनर्भात्रम् भूत्रम् व्यान्त्रेयात्र साम्यान्या नन्नानी ये नुष्य वे सूर यह राज यह । नर्डेशःसंदेः पेट्राबे सूट्यार्श्वात्यात्। नर्डेश्यदेखह्यान्गर्से क्रिन्ग्येन् जुन्।। देव्याद्यास्य स्वया शुः वस्यो स्वया राष्ट्रिया । ८.जयर.पर्येर.भैयो.चेंश.र्थ.श.ज.यश्चें जा से नर्डेन विन् विवे से से नर्जन निवा स्रो पर्दे दाले स्टूर दुर पर । र्दे हे दे न्या वा कें र अश्वश्रुव प्राप्ता शुंग्रेवे पिया ति क्रूं मानमे वा प्रमाने वा गाः सेर पावस देवा केर से समुस् सेर परेस्। विक् श्रुम्प्रति श्रुम्याया शुप्या विद्या

ने भूम लें निम् हुं न नुष्या विष्या ८.क्रु.श्रीय.केट.ज्र.म्श्राकं.सम्ब्रीयशा सन्नर्भः कुषःरी नसूत्रन्निगः के त्यप्रा र्क्ने न्दरम्यायः भेवः हर्के न्दर्भः सुन्। देन गहेन सूर जर वहीं व या गहेगा हु सूर्या नह्रस्य नर्डे स्य सुन रहें द्र सुन रहें दर्ग स्य यादा। र्गे क्रम्य विष्य में प्रमें स्मा भिर्पे प्रमें प्रमा म्नानः श्रेवार्यायां वेवायो वर्वार्येवार्यात्रायां स्वार्था देन्'गहेश'देश'ग्रेश'र्ग्यायाश'र्ये'न बद'र्येर'ग्रुर्। श्रे पाउँ दाक्षु दर पर्योग्या राये दे सार्दा । क्रिंत भीर पर्छिया से स्याहेत संदे प्रांत्र भीर प्रांत्र विता नन्ना गुर रें अ शे अ र द हैं न हैं न हैं न हैं न र्श्वेन मुदेश्वेद्ध सिर्ने के स्थित महिन्य मा सर्वायहेंगांगसरायदे देश शुःशे भवायक्ष्या मुलार्स्सितं सुवारा सुरायवाय त्राप्तराय व्याप्ता । विद्युन्तें से निर्माया से त्राया नहन्या। ग्रम् से म्याम् से म्याम्याम् स्थानिका सन्नर्भुत्रविभासक्रासेरासे सम्बन्धिय। हैतः विग्रां र र र र त्र प्यस्य र मार्थे यां वेता। षाःससाद्रातद्वयाञ्चत्।प्रदात्र्रातञ्जूया।

त्वार्विमान्ते सासुसारुवे न्या पुराया । श्रुव ग्रुव में प्राप्त के रामव के व में या प्रम्य यळ्र सूर्या है यदे दें न ने र है विट वह या। षासँसारास्टा क्षेत्राळात्रा विद्या ष्रे सारुस्य प्रतादे क्रुन् कंप सह या स्वा उत्। मुँग्रायानविराधें तर्नेराये प्रमास्त्रीय स्त्रीय स्त्र ग्र-१ में दिश सूर सूर सूर सूर सूर सूर से र्हेग श्रु के नारा हे तु त्तु भी ना भी ना ना भी । ळु: नून: कु: श्रुन: कुन: श्रुन: श्रुन: न्तुन ने खेरे जीन केंद्र हे अश्रान्या है केंद्र केंद्र है। षायां यन्न न्यायायां से निरार्थे म्या विया। शे में मेर्यायानिव न् न्योयान सर्वेता। षास्रमःविदःर्श्वेदःश्रमः में प्रेन् प्रमुद्दाद्या। रायासम्प्रतेनभ्रमानुपरि भूराम्बरा। गाप्पे रहें न प्रत्यायी मुं खूर यया या ू निव मु भी द विद्या कुर्य या द्या वि से द विद्या परि द्या । र्धेवःनिरः इस्र राते विष्ट्र ना से ग्री राधुग अं र्हेग्राः इसर्यः ग्रहः सहे राधदे रहायः ग्रीराः श्रीसर्या। विदः इसम्यान्य विद्यान्य ।

वर्ते न्याः इसस्य न्द्र सुरु हिंदायः द्रो। कुर-रुगःनेगः गुदेः गःर्वेदः यान्नाद्या रेगाराये खूर सुगा भ्री निरासी विद्या नर्हेन्द्रम्थायायायाच्याम्याम्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्या धैव निव से निया भन्य नम् से विश्व माराया ग्राधुर वंदे प्रव्यक्ष तुः श्लेव पाने प्रकार ग्रीवा। ग्याश्चेत्यास्त्रश्चराञ्चरश्चरत्रात्री। नश्रुव न ने ना श्रु न न मु । यह न न न न न न इन्नम् इत्रम्यान्यः निर्देर्ष्या भे में मेर्यायायिव न्युम् हेव के। ने'नश्नु'कुर'विन्'ग्रर'न्दशन बुर'।। नर्हेन्याकुर्नेते कुन्यूर्प्त्रक्षान बुर्।। मर्नेमायसूर्यामर्गं संदे हु दु पर्ने नुमा क्षूरा। य.रचय.श्रेर.त.श्रवत.रचा.श्रेर.श्रर्थाया नियानुदेवसादयदायाँद्रियादेयान्वयास्यार्भेरमा। षासदे कें ना इसमा श्रूप कर वेस नु न विद्या त्रे नर्वेत् सुर प्रंप्यश्वरात्र राष्ट्रेय राष्ट्र राष नन्गाधिनः कं नर्भाग्नात्रः नवे व्हेनिः भाने।। श्रूयावगाणार्थे क्र्यायंदे श्रुचेव क्रिया धुअँ शुं मान्याने ने वास्तुवार्थे से मानविवा।

नन्गः क्रें क्रेंट्याप्यानुस्याप्ये नन्या हिंदा शी। नेवायंद्रेश्चिरेळेशकेम्सुश्यम्यूम्। हेत्रन्रः ध्रुतः ग्रुनः रायान थः राष्ट्रेनया। विट्यो कुन हुन्ये हिना शुन्य विष्ट्रा यग्रायाधेव सम्बु श्रुगाविव विर्वेग्या रायासूतायदे जुर्यासेये हेरासाया। ग्राचन'त्रक्षंय'श्रीश'सकेन'केंग'वने'सून'श्रूश्रा र्श्वेत कर नन्यायो सहन श्रेत प्रमाधिया। म्याया स्वार्थित यह रहत स्वार्थित । सन्तराश्चित्ररावस्तरायाञ्चन। नश्रुवः निगः श्रुटिः पार्तिः वश्रः हेवः श्रळवः यद्शा अ'र्न्नश्रुव'गहेश'अर्ढ्रा'सेट'रेट्'श'र्<u>चे</u>नशा ने कें ने समा कें मानमा कें ने समा कें ने के । हिंद्र स्टाव वर्ष हु दें या देवा देवा या देवी स्व वहें त मुदे हैं न हैं र है य शु कें न प न माना दशःग्रहार्द्धितःयः देवाशः दशःग्रहार्द्धितःयः देवाशः इतःग्रहा ने र्चेश्वन्यायो विक्रास्त्रया सम्बद्धा येट्रअंसराय्यायायदे सके सराविद्यायायया।

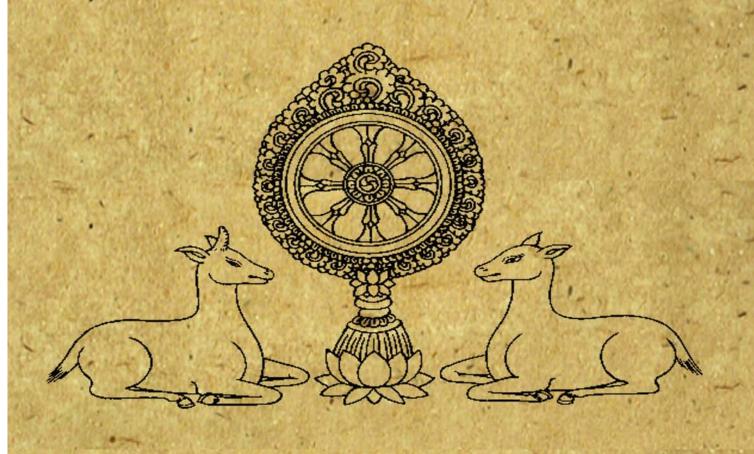
श्चानवे वृष्ण्या राष्ट्रे में मान्या राष्ट्रा भुग्रारायंदे इसावर से क्रिंट गासे द तुरा। विवासंस्थिः भुं सद्दर्भे हें र विवासिर द्रा। क्षुव ग्रुव रेन् गहेरा ग्रुवाय प्रदे कु विन रे के न कुः निवे पार्वे पार्या शुप्तः श्चेन प्रयोदः दश्ये हो। र्श्वेन र्स्त्र स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स् क्रेव-नगर-विहेव-म् केंग्रायनिन्ग्रीय-नग्री। क्षुत्र ग्रुन में देश में भारत संस्थित्वं विंनतुर निर्मे के निर्माणिया र्दे अदे न इन् न वर न तुर न शु अर द्यादा यळव से सूनळव नसूर सूर हो द परे द्या। नेश ग्रंदे से हिंगा न इन् मह न जुग रा न विदा र्रे सदर ब्रुट हे नगर्ग गरा शु सद नश्रा म्बर्धात्र्यम् वर्षात्रःषात्रे प्रमेन।। षाते से रामिये सके सामुनायान व्या गर्वित यः श्रुपात पाठेत भें गड्र सें में यमें ना गडित से नगर नवे न स्वार निया न सुर्था। गड्र सें वह अधि रात्र रात्र स्वा सें ना न्यो म्बर् नग्र लिट र्शेयायाया ग्रुयया पर ग्रुया। श्चितः युदेः श्चेषा त्यस्र स्रेषा त्यस्य स्वतः प्रवितः प्रुपः।।

श्चे नवर देव नवर श्वाल्या न इत वर्ष ग्वा र.लुश्चियाश्वास्त्र चंद्राच्याश्चित्र वित्र श्वित्र श्वास्त्र स्वास्त्र श्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र र्विट मी अ श्वया अ वि अ वि र त अ या प र है या अ वर्षे।। ८.ल्.श.श्रेश.रश.शिंर.प्रश.श्रुया.व्..श्रेश। विंद्राची अ। श्रेट्राचा श्री स्वा विंद्राची अ। । श्चितः वृदे वह दुः से नवह देव नवह देव नवह देव नवह वह समा न्याः श्रेटः वस्य यः उत् सः यो यः या देयाः तुः सश्वरा थार्त्रश्रुत्रविष्ठेशचेर्त्रश्रथ्याध्याया षिर:100सळवाची:मे:सें नग्रा सन्हरायळें म श्चेंनश्चेंनश्चेंश्चरायेंश्चरायें भूत्रा पार्वश्रुवाविश्वाद्धेतिः सेवाद्ये पेवा। न्गे क्रव अर्थे रेट्रिक्ट्रिक्श निव्दर्भ निर्म न्गे मन नगररेंदि नगे सुग वरे वर नगे शा ष्पन पुरावह सन्दर्भ निष्य के स्त्री सुन न स्राय बदारेविः तुः सुमार्छिदः वदः दर्गेश।

ਰੇਸ਼ਾਸ਼ੀ ਸੰਸ਼ੀ ਸੰਸ਼ੀ ਸਾੜ੍ਹੇ ਸ

本书仅供大家学习母语参考用书,

严禁用于商业, 如有利用者后果自负



refiairraisontrantapul-zargunu

